मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 18 दिसंबर 2024

संवत 2081, पौष कृष्ण तीन- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 102 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ घरेलू विवाद से दहेज के झूठे मामलों में उलझते पुरुष

यामी गौतम ने पति, बेटा व संजय दत्त के साथ स्वर्ण मंदिर में माथा टेका ◀◀ 6

संसद में कांग्रेस का काला इतिहास उजागर, इसलिए नाटकबाजी में जुटे : पीएम

अमित शाह को मिला पीएम मोदी का साथ

104

नई दिल्ली : बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर विपक्ष के हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार किया है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जोरदार हमले करते हुए कहा कि कांग्रेस आंबेडकर का अपमान छिपा नहीं सकती। बाबासाहेब के लिए हमारा सम्मान सर्वोपरि है।

उन्होंने 'एक्स' एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा, 'अगर कांग्रेस और उसका बेकार हो चुका तंत्र यह सोचता है कि उनके दुर्भावनापूर्ण झूठ उनके कई सालों के कुकर्मों खासकर डॉ. आंबेडकर के प्रति उनके अपमान को छिपा सकते हैं, तो वे बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ. आंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी-एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है।'

पीएम मोदी ने कांग्रेस के पापों की सूची गिनाई : पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'डॉ. आंबेडकर के प्रति कांग्रेस के पापों की सूची में शामिल हैं- उन्हें एक बार नहीं, बल्कि दो बार चुनावों में हराना। पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाया। उन्हें भारत रत्न देने से इनकार करना। संसद के सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर को गौरवपूर्ण स्थान न देना।'

'एससी और एसटी के लिए कांग्रेस ने कुछ नहीं किया' : उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि एससी-एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उनके शासन में ही हुए हैं। वे सालों तक सत्ता में रहे, लेकिन एससी और एसटी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कुछ भी ठोस नहीं किया।

नाटकबाजी का आरोप लगाया : पीएम मोदी ने लिखा, 'संसद में गृह मंत्री ने डॉ. आंबेडकर का अपमान करने और एससी-एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। कांग्रेस इससे स्पष्ट रूप से आहत और स्तब्ध हैं। यही कारण है कि वे अब नाटकबाजी कर रहे हैं। दुख की बात है। लोग सच्चाई जानते हैं।'

सरकार के काम गिनाए : उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की वजह से ही हम आज जो हैं, वह हैं। हमारी सरकार ने पिछले एक दशक में बाबासाहेब के सपने को पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया है। कोई भी क्षेत्र लें- चाहे वह 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकालना हो, एससी-एसटी अधिनियम को मजबूत करना हो, हमारी सरकार के प्रमुख कार्यक्रम जैसे स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और बहुत कुछ... इनमें से प्रत्येक ने गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन को छुआ है। हमारी सरकार ने डॉ. आंबेडकर से जुड़े पांच प्रतिष्ठित स्थानों पंचतीर्थ को विकसित करने के लिए काम किया है। दशकों से चैत्य भूमि के लिए भूमि का मुद्दा लंबित था। हमारी सरकार ने न केवल इस मुद्दे को सुलझाया, बल्कि मैं वहां प्रार्थना करने भी गया।

'जब डॉ. अंबेडकर की बात आती है, तो हमारा सम्मान और श्रद्धा सर्वोपरि' : पीएम मोदी ने कहा, 'हमने दिल्ली में 26, अलीपुर रोड को भी विकसित किया है, जहां डॉ. आंबेडकर ने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। लंदन में जिस घर में वे रहते थे, उसे भी सरकार ने अधिग्रहित कर लिया है। जब डॉ. अंबेडकर की बात आती है, तो हमारा सम्मान और श्रद्धा सर्वोपरि है।'

कांग्रेस ने मांगा अमित शाह का इस्तीफा : इससे पहले कांग्रेस ने बुधवार को अमित शाह पर संविधान निमार्ता बाबासाहेब के अपमान का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए तथा देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों ने इस विषय को लेकर संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और संसद परिसर में भी विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि शाह की टिप्पणी का यह मतलब था कि बाबासाहेब का नाम लेना भी गुनाह है। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने कल राज्यसभा में जब बाबासाहेब आंबेडकर का नाम लेकर बयान दिया, तब मैंने हाथ उठाकर बोलने की इजाजत मांगी थी। लेकिन मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया। उस समय हम सब सहयोग की भावना से चुपचाप बैठे रहे, क्योंकि हम संविधान पर चर्चा कर रहे थे।

ड्रग्स सैंपलिंग चूक मामला : हाईकोर्ट में हाजिर हुए डीजीपी और एटीएस एसपी

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा जब्त किये गये मादक पदार्थों की सही तरीके से सैंपलिंग नहीं करने, इससे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े आरोपियों को जमानत मिलने और एनडीपीएस केस में आरोपियों की सजा की दर कम होने को गंभीरता से लिया है. बुधवार को हाईकोर्ट के पूर्व के आदेश के आलोक में राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता, एटीएस के एसपी ऋषभ झा और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डायरेक्ट अदालत के समक्ष उपस्थित हुए. सुनवाई के दौरान अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राज्य सरकार एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाएं ताकि पुलिस द्वारा जब्त किये गये मादक पदार्थों की सैंपलिंग सही तरीके से हो। इसके साथ ही मादक पदार्थ के अवैध कारोबार से जुड़े केस में सजा की दर बढ़े और मादक पदार्थ के कारोबारियों को सख्त सजा मिले।

जब्त मादक पदार्थों की सही ढंग से सैंपलिंग नहीं होने पर आरोपियों को मिल गयी थी जमानत : डीजीपी द्वारा कोर्ट को यह आश्वस्त किया गया कि अदालत द्वारा दिये गये निदेर्शों का पालन किया जायेगा। जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 जनवरी की तिथि निर्धारित की है। दरअसल पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में वर्ष 2020 में स्कॉर्पियो से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। लेकिन जब्त मादक पदार्थों की सैंपलिंग सही ढंग से नहीं होने पर आरोपियों को जमानत मिल गयी थी. इसे हाई कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए डीजीपी को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

लातेहार में सड़क दुर्घटना में स्कूल के प्रिंसिपल की मौत

लातेहार: जिला मुख्यालय के झरिया पेट्रोल पंप के पास बुधवार को ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार शिक्षक की मौत हो गई। शिक्षक की पहचान पलामू मेदिनीनगर निवासी संजय सिंह के रूप में हुई है, जो लातेहार के कुंदरी मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक के रूप में पदस्थापित थे। घटना के बाद शिक्षकों में भारी नाराजगी है. शिक्षकों ने सरकार के बायोमेट्रिक सिस्टम की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आंदोलन की धमकी दी है।

दरअसल, शिक्षक संजय सिंह अपने घर से स्कूल जाने के लिए निकले थे। रास्ते में झरिया पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल लेने के बाद जैसे ही वहां से वह सड़क पर आए, तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया. ट्रक उन्हें कुचलते हुए निकल गया. इस घटना में शिक्षक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस : घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के निर्देश पर लातेहार की पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची. स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद ट्रक को पकड़ने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमित शाह पर लगाया अंबेडकर का अपमान करने का आरोप, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली : राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर विवाद बढ़ गया है। विपक्ष का आरोप है कि गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में अपने भाषण में डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। जिस पर अब राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमित शाह पर निशाना साधा और उनके इस्तीफे की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, जब अमित शाह डॉ. बीआर अंबेडकर के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा था कि आप लोग 100 बार अंबेडकर का नाम लेते हैं, अगर आप इतनी बार भगवान का नाम लेते, तो 7 बार स्वर्ग में जाते। इसका मतलब है कि बाबा साहेब अंबेडकर का नाम लेना गुनाह है और इनका इरादा बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का विरोध करना था। मैंने इसका विरोध किया, लेकिन मुझे मौका नहीं दिया गया। हालांकि बाबा साहेब अंबेडकर पर सदन की कार्यवाही चल रही थी, इसलिए हम सभी ने खामोश रहने का फैसला किया। आज हम सभी पार्टी के नेताओं ने एक होकर इस पर सवाल उठाया। अमित शाह ने बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया है वो गलत है। मैं उनके इस्तीफे की मांग करता हूं। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, ₹उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान किया है। मनुस्मृति और आरएसएस की उनकी विचारधारा यह स्पष्ट करती है कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते हैं। हम इसकी निंदा करते हैं और उनके इस्तीफे की मांग करते हैं।

वन नेशन, वन इलेक्शन : संसद में वोटिंग के दौरान तीन केंद्रीय मंत्री समेत बीजेपी के 20 सांसद रहे गैर हाजिर

नोटिस जारी कर मांगा जाएगा जवाब

नई दिल्ली : बीजेपी के 20 सांसदों की लोकसभा में ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल बिल पर वोटिंग के दौरान अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी द्वारा जारी व्हिप का उल्लंघन इन सांसदों के अनुशासन पर सवाल उठाता है। इस मुद्दे के कई पहलुओं का विश्लेषण जरूरी है।

व्हिप की अनदेखी और पार्टी अनुशासन : बीजेपी ने इस बिल के लिए तीन-लाइन का व्हिप जारी किया था, जो सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए बाध्य करता है। इसके बावजूद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गिरिराज सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित 20 सांसदों की गैरमौजूदगी पार्टी की आंतरिक अनुशासनहीनता को उजागर करती है।

क्या यह लापरवाही है, या इन सांसदों की व्यस्तता का परिणाम? : यदि सांसदों ने अनुपस्थिति के कारण पहले से बताए थे, तो क्या पार्टी इस पर विचार कर रही है?

राजनीतिक संकेत और नेतृत्व की प्रतिक्रिया : लोकसभा में महत्वपूर्ण बिल पर वोटिंग के दौरान सांसदों की अनुपस्थिति पार्टी नेतृत्व की मजबूती और सदस्यों के प्रति नियंत्रण को दशार्ती है। बीजेपी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करना पार्टी की अनुशासन बहाली का संकेत है। इसका असर आगामी संसदीय रणनीतियों और पार्टी की छवि पर पड़ेगा।

विपक्ष का विरोध और राजनीतिक रणनीति : ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल बिल पर विपक्ष ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों के खिलाफ होने का आरोप लगाया।

269 वोटों से पारित इस बिल के खिलाफ 198 सांसदों ने मतदान किया, जो विपक्ष की सशक्तता का संकेत है। विपक्ष के हंगामे के बावजूद बीजेपी बहुमत से इस बिल को पारित करवाने में सफल रही।

मीडिया और जनधारणा का प्रभाव : मीडिया और जनता की नजर में सांसदों की अनुपस्थिति को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखा जा सकता है। क्या यह एक सामान्य प्रशासनिक चूक है, या इसके पीछे कुछ राजनीतिक संदेश छुपे हैं? इससे पार्टी और जनता के बीच संवाद पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का महत्व : यह बिल देश में चुनावी खर्च और समय बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लागू करने में कई संवैधानिक और प्रासंगिक चुनौतियां हैं। बिल पर हुई वोटिंग में समर्थन और विरोध के आंकड़े संसद में दलों की राय को विभाजित दिखाते हैं। इस विषय पर देशव्यापी चर्चा और सहमति बनाने की आवश्यकता है। बीजेपी सांसदों की अनुपस्थिति को पार्टी नेतृत्व के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है। यह घटना सांसदों की जिम्मेदारियों और पार्टी की आंतरिक संरचना पर पुनर्विचार की जरूरत को उजागर करती है। वहीं, ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल बिल का विरोध और समर्थन भारतीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करता है। आगे की राजनीति और निर्णय प्रक्रिया में अनुशासन और संवाद दोनों ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

झारखंड में अब प्रखंड स्तर पर लगेगा पशु बाजार : मंत्री शिल्पी

मेट्रो रेज

रांची : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि बहुत जल्द प्रखंड स्तर पर पशु बाजार की शुरूआत होगी। इसका उद्देश्य वाजिब दर पर अच्छे नस्ल के गाय या दूसरे पशु किसानों को उपलब्ध कराना होगा। इसे लेकर विभाग योजना से संबंधित कैलेंडर भी जारी होगी। पशु बाजार में पशु की खरीद बिक्री को पारदर्शी बनाने के लिए पशु रेट चार्ट भी जारी किया जायेगा। वह मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र मांडर के भ्रमण के दौरान कहीं। उन्होंने मांडर विधानसभा क्षेत्र के करगे, बॉझिला, महुआ, जारी व कैम्बो में मिल्क कलेक्शन एवं चिलिंग प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान झारखंड मिल्क फेडरेशन के पदधारी भी मौजूद थे।

पशु का रेट चार्ट भी सार्वजनिक किया जायेगा

पशुपालन विभाग के द्वारा 90 फीसदी सब्सिडी पर एसटी/ एसी व विधवा को पशु देने की योजना है। जबकि सामान्य के लिए ये सब्सिडी 75 फीसदी है। किसानों का आरोप है कि बाजार मूल्य से अधिक दर तय कर सब्सिडी का लाभ उन्हें दिया जाता है। मंत्री ने किसानों को आश्वस्त किया कि अब ऐसा नहीं होगा। इसके साथ ही विभाग के द्वारा दिए जाने वाले पशु का रेट चार्ट भी सार्वजनिक किया जायेगा। विभाग पशु धन योजना को लेकर किसानों के लिए कैलेंडर जारी करेगी। इस कैलेंडर में योजना से संबंधित सभी तरह की जानकारी उपलब्ध रहेगी। किसानों ने उत्तर प्रदेश, बिहार से लाए जाने वाली गाय की मृत्यु दर अधिक होने की शिकायत मंत्री से की। किसानों ने मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से लोकल गाय उपलब्ध कराने का आग्रह किया। किसानों ने गोकुल भवन की संख्या बढ़ाने की मांग की, ताकि दूध कलेक्शन की मात्रा को बढ़ाया जा सके। मंत्री ने किसानों से विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लेने को कहा है । प्रशिक्षण प्राप्त किसानों को विभाग की योजनाओं का लाभ लेने व रोजगार के अवसर प्राप्त करने में अधिक मदद मिलेगी।

करगे प्लांट में अधिक मात्रा में दूध का कलेक्शन होता है

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने करगे मिल्क कलेक्शन एवं चिलिंग प्लांट के निरीक्षण के दौरान सफाई के साथ सुरक्षा का ध्यान रखने का निर्देश दिया। इस प्लांट में अधिक मात्रा में दूध का कलेक्शन होता है। निरीक्षण के दौरान किसानों ने कैटल फीड के लिए मेधा दाना के दर में 5 रुपया तक कमी करने की मांग दोहराई। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से चारा काटने की मशीन को लेकर भी जानकारी ली, साथ ही किसानों को चारा काटने की मशीन कैसे उपलब्ध हो इसे लेकर निर्देशित भी किया। निरीक्षण के दौरान गाय वितरण में अनियमितता की बात भी किसानों के द्वारा कही गई।

संवेदनहीन और लापरवाह पदाधिकारियों पर रांची एसएसपी ने गिराई गाज, कई हुए सस्पेंड

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में हुई छेड़खानी की वारदातें और उसमें पुलिस अफसर और कर्मियों के द्वारा बरती गई लापरवाही को लेकर रांची पुलिस महकमे में बड़ी कार्रवाई की गई है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कड़ा रुख दिखाते हुए कोतवाली थाना प्रभारी को निलंबित करने की अनुशंसा की है।

क्या है पूरा मामला

रांची पुलिस के द्वारा जारी प्रेस रिलीज में यह बताया गया है की रांची के अपर बाजार (थाना कोतवाली) क्षेत्र में एक कन्या विद्यालय की लड़कियों के साथ छेड़खानी मामले में जब स्कूल प्रबंधन के द्वारा कोतवाली थाना और महिला थाना को सूचना दी गई थी तो वहां के कर्मियों एवं पदाधिकारी ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई। इस अकर्मण्यता और लापरवाही के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची चंदन कुमार सिन्हा ने महिला थाना प्रभारी पिंकी साव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रंजीत कुमार सिन्हा के निलंबन एवं विभागीय के कार्यवाही की अनुशंसा रांची डीआईजी से की है।

14 दिसंबर को भी बरियातू थाना से मिली थी शिकायत

इससे पूर्व भी 14 दिसंबर को बरियातू थाना के जमादार शंकर ठाकुर और मुंशी शशि कुमार को इसलिए निलंबित किया था क्योंकि एक मोबाइल गुम होने की शिकायत लेकर आवेदिका बरियातू थाना गई थी। उन दोनों ने आवेदिका का आवेदन न लेकर मामले का क्षेत्राधिकार लालपुर थाना का बताते हुए लालपुर थाना जाने की सलाह दी थी। इसको लेकर रांची एसएसपी ने उन दोनों पर भी कार्रवाई की है।

न्यूज IN ब्रीफ

हजारीबाग बिशप हाउस में क्रिसमस गैदरिंग, सर्वधर्म समभाव समन्वय समिति ने किया आयोजन

हजारीबाग : बिशप हाउस में सर्वधर्म समभाव समिति की ओर से क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने एक दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। कार्यक्रम की शुरूआत धर्म बहनों की ओर से सामूहिक गीत और नृत्य के साथ हुई। बिशप आनंद जोजो ने केक काटकर क्रिसमस की सबको बधाइयां दीं। इस अवसर पर बिशप आनंद जोजो ने कहा कि ईसा मसीह ने संपूर्ण विश्व को शांति का संदेश दिया था और आज उनके संदेश प्रासंगिक प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईसा मसीह ने आपसी भाईचारा और प्रेम के साथ जीने की बात कही। साथ ही कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए सभी लोगों को आगे आने की जरूरत है। वह भी प्रेम से समर्पित होकर। इस दौरान लोगों ने जिक्र किया कि आज रूस- यूक्रेन युद्ध, इजराइल- फिलिस्तीन विवाद के समय जब विश्व तीसरे विश्व युद्ध के खतरे को झेल रहा है, ऐसे में ईसा मसीह के विचार और भी प्रासंगिक हो रहे हैं। समारोह को सभी धर्म के प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए क्रिसमस की बधाइयां प्रेषित की। बिशप हाउस में क्रिसमस गैदरिंग के बाद पूरे हजारीबाग जिले में क्रिसमस गैदरिंग की धूम भी अब देखने को मिलेगी। जगह-जगह पर ईसाई समाज के लोग चरनी बनाकर एक दूसरे को बधाई देते हुए भी नजर आएंगे। क्रिसमस गैदरिंग के अवसर पर हिंदू, मुस्लिम, जैन, सिख और ईसाई धर्म के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

रेलवे डीआरएम से मिले विधायक नवीन जयसवाल

रांचीः हटिया विधायक नवीन जयसवाल मंगलवार को रांची डिवीजन के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा से मिले। विधायक ने बिरसा चौक के निकट तोड़े गए झोपड़पट्टी के लोगों के लिए पुनर्वास की मांग की। उन्होंने डीआरएम से कहा कि वहां के लोग दशकों से रह रहे थे। रेलवे ने अपने विस्तार योजना के तहत उनलोगों का घर तोड़ दिये। उनमे से अधिकांश दैनिक मजदूरी कर अपना जीवनयापन कर रहे थे। ऐसे में राज्य सरकार से समन्वय बैठाकर रेलवे को उनके पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए। नवीन जयसवाल ने डीआरएम को पीठियाटोली की समस्याओं से भी अवगत कराया। उन्होंने नगड़ी महतो टोली एवं पीठिया टोली में अंडर पास बनाने की मांग की। जिससे वहां निवास कर रहे हजारों परिवारों को आवागमन में सुविधा हो सके। जिसे डीआरएम ने स्वीकार कर अधिकारियों को स्थान चयन करने के लिए सर्वे करने का निर्देश दिया।

झारखंड के बकाया राशि को लेकर राजेश ठाकुर का बयान

विकास विरोधी मानसिकता रखती है केंद्र सरकार

बोकारोः कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने झारखंड सरकार को 1 लाख 36 करोड़ रुपये का बकाया नहीं देने के मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस कदम का उद्देश्य राज्य सरकार के विकास की गति को बाधित करना है।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर झारखंड जैसे विकासशील राज्य की जरूरतों को अनदेखा कर रही है। राजेश ठाकुर ने मीडिया से बात करते हुए आगे कहा कि यह केंद्र सरकार की विकास विरोधी मानसिकता को दशार्ता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की बकाया राशि केंद्र के पास है और इस पर राज्य सरकार का हक है। इसलिये केंद्र सरकार को बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी और केंद्र सरकार के खिलाफ उचित संघर्ष करने के लिए तैयार है।

उन्होंने राज्य के सभी दलों के सांसद को इसके लिए आवाज उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए सदन से लेकर सड़क तक उतरेगी और आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटायेगी।

बताते चलें कि झारखंड सरकार केंद्र से कोयला रॉयल्टी का बकाया 1136 लाख करोड़ रुपए लंबे समय से मांग रही है। मुख्यमंत्री से लेकर मुख्य सचिव तक ने केंद्र से राशि भुगतान के लिए पत्र लिखा था।

सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव के ठीक पूर्व 24 सितंबर को भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था लेकिन केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने संसद में दिए अपने लिखित जवाब में कहा कि यह सही नहीं है। कोयले से प्राप्त 1140 लाख करोड़ रुपए के राजस्व के रूप में अर्जित कर में झारखंड सरकार का कोई हिस्सा केंद्र सरकार के पास लंबित नहीं है।

झारखंड होमगार्ड में 26 कर्मियों को मिली प्रोन्नति

रांची : झारखंड होमगार्ड में 26 कर्मियों को प्रोन्नति मिली है। साथ ही आठ कर्मियों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू है। गौरतलब है कि इससे पहले होमगार्ड कमांडेंट के पद पर काम करने वाले अफसरों को भी प्रोन्नति देने के मामले को लेकर राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। **होमगार्ड के कमांडेंट पद पर बहाल होनेवाले अफसरों को नहीं मिलती प्रोन्नति :** बता दें कि झारखंड लोक सेवा आयोग से बहाल राज्य पुलिस सेवा के अफसर प्रोन्नति मिलती है और वे आईपीएस संवर्ग में प्रोन्नति पा चुके हैं। जबकि होमगार्ड में जेपीएससी के माध्यम से बहाल झारखंड गृह रक्षा वाहिनी सेवा के कमांडेंट पुराने पदों पर ही बने हुए हैं। राज्य पुलिस सेवा में उनके समक्ष कई अफसर आईपीएस संवर्ग पा चुके हैं। उन्हें आईजी तक प्रोन्नति भी मिल जाती है। लेकिन होमगार्ड के कमांडेंट पद पर बहाल होनेवाले अफसरों को प्रोन्नति नहीं मिलने पर वे इसी पद पर रिटायर हो जाते हैं।

गिरिडीह में सरिया में सड़क हादसा बाइक सवार दो युवकों की मौत

मेट्रो रेज

गिरिडीह : जिले के सरिया थाना क्षेत्र में मंगलवार को अनियंत्रित बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से दो युवकों की मौत हो गई है। मरने वाले दोनों आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बगोदर में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना सोनासोती पुल के पास की है।

गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र में अनियंत्रित बाइक दुर्घटनाग्रस्त होने से मौके पर ही दो युवकों की मौत हो गई। घटना मंगलवार की दोपहर सोनासोती पुल के पास की है। मृतकों की पहचान रोहित पासवान और मोहन पासवान के रूप में हुई है। दोनों आपस में ममेरा-फूफेरा भाई बताये जा रहे हैं। जिसमें रोहित सरिया के कंचनपुर का रहने वाला था, जबकि मोहन पासवान राजधनवार के राजोड़ीह का रहने वाला था।

घटनास्थल पर पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने पहुंचकर पीड़ित परिजनों की हिम्मत बंधाई। साथ ही परिजनों को उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है और घटना को दुखद बताया है।

इधर मौके पर पहुंचे सरिया पूर्वी के जिला परिषद सदस्य लालमणि यादव ने बताया दोनों युवक बाइक पर सवार होकर सरिया की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सोनासति नाला के पास बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इससे बाइक पर सवार दोनों की मौके पर हीं मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सरिया पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमार्टम के लिए शवों को बगोदर लाया गया। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

देवेंद्र को किया गया रिहा, लाठीचार्ज के बाद लिए गए थे हिरासत में

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नेता देवेंद्र महतो को पीआर बांड पर थाने से छोड़ दिया गया है। सीजीएल परीक्षा परिणाम को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे देवेंद्र महतो सहित कई छात्रों को सोमवार को पुलिस ने हिरासत में लिया था। देवेंद्र महतो को मंगलवार की देर शाम रांची के कोतवाली थाने से पीआर बांड पर रिहा किया गया है।

हिरासत में रखा गया था देवेंद्र को

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा 2023 के रिजल्ट को रद्द करने की मांग को लेकर सोमवार को देवेंद्र महतो के नेतृत्व में छात्रों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। छात्रों के आक्रोश के बाद पुलिस ने देवेंद्र महतो सहित कई आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया था। इस दौरान देवेंद्र महतो को हिरासत में ले लिया गया था। उसके बाद से देवेंद्र महतो पुलिस के हिरासत में ही थे। लेकिन मंगलवार की देर शाम कोतवाली थाने से देवेंद्र महतो को पर पीआर बांड पर रिहा कर दिया गया। देवेंद्र महतो को नामकुम पुलिस ने हिरासत में लिया था। नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि थाने से पीआर बांड पर देवेंद्र महतो को रिहा किया गया है।

थाने से रिहा होने के बाद देवेंद्र महतो ने कहा कि वे छात्रों के हित में सीजीएल परीक्षा का विरोध करने के लिए गए थे। जहां बहुत ही बेदर्दी के साथ उन्हें पीटा गया। जिसमें उन्हें काफी चोट भी आई है। देवेंद्र महतो ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए बताया कि अब माननीय हाईकोर्ट ने भी यह मान लिया है कि सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी हुई है।

एक देश एक चुनाव, देशहित में है : रक्षा राज्य मंत्री

रांची : मंगलवार को लोकसभा में एक देश एक चुनाव बिल स्वीकृत होने पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह को बधाई दी है। मंत्री ने कहा कि यह बिल देशहित में है, हर 5 वर्ष में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव होते हैं, वहीं देश में हर वर्ष अलग-अलग समय पर विधानसभा चुनाव होते हैं। एक समय चुनाव होने पर देश के राजकोष की बचत होगी। चुनाव के समय राज्यों में आचार संहिता लागू हो जाते हैं, परिणाम आने तक यह लागू रहता है। ऐसे में विकास परियोजनाओं में देरी होती है। एक देश एक चुनाव से विकास कार्य में इसका लाभ होगा। चुनाव के समय सरकारी काम में भी व्यवधान होता है। ऐसे में साल में एक ही बार में इस तरह की आवश्यकता पड़ेगी और विकास कार्य में रुकावट नहीं आयेगी इसलिए एक देश एक चुनाव देश के हित में है।

गढ़वा में आदिम जनजाति के लोगों की गुहार- दर्ज केस लो वापस

एजेंसी

गढ़वा : वन विभाग के द्वारा मामला दर्ज करने के चलते एक दशक से आदिम जनजाति के लोग परेशान हैं। जिन लोगों के पास दो वक्त का भोजन जुटाना मुश्किल हो, कंद मूल पर जीवन यापन करने वाले इन गरीब परिवारों पर वन विभाग ने एक-एक लाख जुमार्ना लगाते हुए मामला भी दर्ज कर दिया है। वन भूमि पर खेती करने के आरोप में 45 आदिम जनजाति के लोगों पर वन विभाग ने प्राथमिकी दर्ज करने के साथ-साथ एक एक लाख का जुर्माना ठोक दिया है।

झारखंड के सबसे पिछड़े इलाकों में गढ़वा जिले का नाम आता है। गढ़वा जिला का सबसे पिछड़ा इलाका चिनियां प्रखंड है। यहां की अधिकतर आबादी आदिम जनजाति कोरवा, पहरिया व उरांव हैं और इसी चिनियां प्रखंड के खुरी पंचायत के ग्रामीण पिछले एक दशक से परेशान हैं, क्योंकि वन विभाग ने इल लोगों पर कीमती पेड़ काटने का आरोप लगाया है। गढ़वा के इन 45 ग्रामीणों पर वन विभाग ने इनकी क्षमता से भी ज्यादा जुमार्ना लगा रखा है। वर्ष 2014 में इन पर जुमार्ना लगाया गया था। ये वैसे लोग हैं जिनके पास ठीक से रहने का ठिकाना नहीं है और न ही रहन सहन के लिये इनके पास कोई जमा पूंजी है। यह लोग किसी तरह काम काज कर अपना जीवन यापन करते हैं। मामला दर्ज होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। पीड़ितों ने गांव में बैठक कर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

दस वर्ष से हैं परेशान

पीड़ितों ने कहा कि हमलोग दस वर्ष से परेशान हैं। कहां से लेकर आए इतना रुपया। हम तो खाने को भी मोहताज हैं, इसीलिए हम चाहते हैं कि सरकार हमलोगों का केस वापस ले और हमलोग पर जो मुकदमा हुआ है वह झूठा मुकदमा है। हमलोग यहां पर रह रहे हैं, हमने यहां पर पेड़ नहीं काटे हैं, मगर वन विभाग ने हमलोगों के ऊपर लकड़ी काटने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया है जो सरासर गलत है।

इस मामले पर जब हमने विभाग से जानकारी लेना चाही तो डीएफओ दक्षिणी एविन बेनी अब्राहम ने कहा कि इस तरह का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। इसलिए इस मामले पर मैं कोई बयान नहीं दे सकता, पर उन्होंने मौखिक रूप से इतना जरूर कहा कि केस बहुत पुराना है और देखते हैं हम इसमें क्या कर सकते हैं।

नगर विकास मंत्री ने की निगम के कार्य एवं योजनाओं की समीक्षा

मेट्रो रेज

रांची : नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने मंगलवार को नगर निगम सभागार में निगम की कार्य एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक की। मंत्री ने कहा कि निगम की भूमिका राजधानी की बेहतर छवि बनाने के लिये बहुत अहम है। इसके लिये सफाई पर खास ध्यान दें। सिविल वर्कस से संबंधित सभी लंबित योजनाओं को समय पर धरातल पर उतारें। भविष्य की जरुरतों का आकलन करते हुए योजनाएं बनाएं। योजनाओं के लंबित होने पर समय समय पर समीक्षा करें। मंत्री सुदिव्य कुमार ने राजस्व संग्रहण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। इंटरनल रेवेन्यू में बढ़ोतरी के लिये होल्डिंग टैक्स के भुगतान के लिये बड़े बकायेदारों को नोटिस दें। जिन आवासीय भवनों पर व्यवसाय चल रहे हैं, उनका सर्वे करते हुए कमर्शियल होल्डिंग टैक्स लेना सुनिश्चित करें। शहर के सभी लॉज, हॉस्टल, कोचिंग आदि की असेसमेंट करते हुए कर का भुगतान सुनिश्चित ससमय करने के लिये नागरिकों को जागरुक करें।

नगर निगम के अधीन सभी अधिनियमों को कड़ाई से लागू करें

नये साल में आम लोगों की सुविधा के लिये कर भुगतान करने के लिये नए ऑफर्स लाएं। नगर निगम के अधीन सभी अधिनियमों को कड़ाई से लागू करें। इस दौरान 15वें वित्त आयोग, टाउन प्लानिंग, पीएमएवाई, लाईट, आईटी, डे एनयूएलएम, ट्रांसपोर्ट, हेल्थ, इनफोर्समेंट, जलापूर्ति एवं अन्य शाखाओं की समीक्षा हुई। नगर आयुक्त संदीप सिंह ने मंत्री के अहम मार्गदर्शन के लिये आभार जताया, तथा आम नागरिकों को निगम स्तर से और बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ साथ शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की बात कही। मौके पर अपर प्रशासक फिलवियुस बरला, संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू, सारे सहायक प्रशासक, अभियंतागण, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, नगर निवेशक, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक समेत कर्मी मौजूद थे।

मंत्री ने ये भी निर्देश दिये

आम नागरिकों की शिकायतों का निष्पादन समय पर करें। सभी पदाधिकारी अपने स्तर से मॉनिटरिंग करें। राइट टू सर्विसेज के तहत समय सीमा के अंदर कार्यों को पूरा करें। सभी वेंडर्स को व्यवस्थित करने के लिये विभिन्न स्थलों पर वेंडिंग जोन या मार्केट बढ़ाने की जरुरत है। अच्छी सफाई के लिये पदाधिकारी समय समय पर क्षेत्र का जायजा लें। जोन 1 में चल रहे सीवरेज ड्रेनेज के कार्य तथा निगम स्तर के सभी सिविल वर्कस को गुणवत्तापूर्वक पूरा करें।

झारखंड में सितम ढाएगी ठंड, मौसम विभाग ने बारिश की दी चेतावनी

झारखंड में 20 और 21 दिसंबर को कई हिस्सों में बारिश हो सकती है

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड में ठंड का कहर लगातार जारी है। लेकिन इस बीच मौसम विभाग ने ऐसी बात कही है जिससे कि लोगों को ठोड़ी राहत मिलेगी. दरअसल, मौसम विभाग के मुताबिक 18 और 19 दिसंबर को मौसम शुष्क रहेगा. इस दौरान न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होगी और लोगों को ठंड से राहत मिलेगी।

मौसम विभाग ने क्या कहा : रांची स्थित मौसम विभाग में मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बुधवार और गुरुवार को मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान लोगों को शीतलहर से ठोड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में हिमालय की ओर से आने वाली ठंडी हवाओं झारखंड की ओर ठोड़ी काम आ रही है। इस कारण से न्यूनतम पारा में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी और सर्दी घटेगी।

20 दिसंबर को होगी बारिश : आईएमडी की मानें तो 20 दिसंबर से मौसम का मिजाज बदल सकता है. 20 और 21 दिसंबर को राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है. राज्य के दक्षीणी और मध्य भाग में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। इस दौरान दिन में अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी. 21 के बाद से ठंड में फिर से बढ़ोतरी होगी और कई इलाकों में धुंध छाए रहेगी।

राज्य में पिछले 24 घंटे में कैसा रहा मौसम का हाल : झारखंड में पिछले 24 घंटों में मौसम शुष्क रहा है. इस दौरान कई इलाकों में सुबह धुंध भी छाई रही. राज्य में सबसे अधिक ठंड कल रांची के कांके में पड़ी. इस दौरान यहां का तापमान 4.6 डिग्री रहा। वहीं सबसे अधिक तापमान चाईबासा में रहा। यहां का तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

ग्रामीण सड़क मरम्मती में अनियमितता की जांच हो : महेश्वर साहु

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने आज ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य अभियंता श्रवण कुमार को पत्र लिखकर कर सड़क मरम्मती में बरती गयी अनियमितता की जांच करने की मांग की है. पत्र की कॉपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी भेजा गया है. श्री साहु ने आज ई-मेल और वॉट्सअप के जरिए पत्र भेज कर कहा है कि रामगढ़ जिला के पतरातू प्रखंड के रांची-पतरातू मार्ग पर स्थित रलृ-2 बेंती मोड़ से सुथरपुर भाया- हरिहरपुर, बीचा के बीच मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना अंतर्गत मरम्मत किये गये पथ को देखने साफ पता चलता है कि भारी अनियमितता बरती गई है। चूंकि एक दैनिक अखबार में पढ़ा था कि करीब साढ़े चौदह करोड़ की लागत से कुछ माह पूर्व ही इस सड़क की मरम्मती की गई थी. सच में सड़क की हालत देख कर बहुत आश्चर्य हुआ कि करोड़ों की राशि खर्च करने के बाद भी सड़क निम्न और घटिया स्तर का बनाया गया था, जिस कारण हर 50-60 मीटर के बाद सड़क धस गया है। बड़े- बड़े गड्ढे बन गए हैं. इससे साफ पता चलता है कि सड़क बनाने में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। और प्राक्कलन के अनुसार बनाया भी नहीं गया है. यह पूरी तरह से सरकारी पैसे की लूट है। चूंकि यह पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में बनाया गया है, तो यह मान कर बनाया गया है कि किसी भी तरह काम करके राशि की निकासी कर लेना है. कोई देखने और बोलने वाला तो होगा नहीं। कई ग्रामीण से चर्चा में पाया गया कि दबंग और दलालों का सहारा ले कर इस तरह का काम किया गया है जो काफी गंभीर मामला है. आश्चर्य की बात तो यह है कि बेंती मोड़ के पास जो शिलापट्ट लगाया गया है, उसमें वर्तमान सांसद श्री मनीष जायसवाल एवं निवर्तमान विधायक सुश्री अंबा प्रसाद का नाम अंकित है, जो किसी ने उसे अभी सफेद पेंट या चुने से पोत दिया है। मैं इस सड़क निर्माण में हुई अनियमितता और सरकारी पैसे की लूट की जांच की मांग करता हूँ और दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को भी पत्र की कॉपी दे रहा हूँ। अगर अनियमितता करने वाले अभियंताओं, एजेंसी पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो बाध्य हो कर आंदोलन का रास्ता अपनाया जायेगा। जिसकी सारी जवाबदेही आप पर होगी।

उच्च न्यायालय का फैसला स्वागतयोग्य : आजसू

रांची : अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए उच्च न्यायालय के सीजीएल परिणाम में रोक पूरे छात्र समुदाय की जीत है। यह फैसला छात्रों के संघर्ष की और आंदोलन की जीत है राज्य सरकार के द्वारा छात्र समुदाय को दिग्भ्रमित करके आनन फानन में रिजल्ट जारी कर दिया। छात्रों की आवाज को लाठी डंडा और एफआईआर के माध्यम से दबाना चाहती थी उच्च न्यायालय के द्वारा इस सरकार को सही आईना दिखाया गया है। पूरे आजसू सहित छात्र समुदाय की ओर से उच्च न्यायालय धन्यवाद एवं आभार उच्च न्यायालय से आग्रह है कि इस पूरे प्रकरण का सीबीआई जांच करवाने की कृपा करे ।

जिला प्रशासन का बालू उठाव पर सख्ती के बाबजूद रात के अंधेरे उठाव जारी

सिल्ली: जिला प्रशासन का नदी से बालू उठाव पर सख्ती के बाबजूद सिल्ली में रात के अंधेरे में बालू का अवैध उठाव और परिवहन जारी है। बूढाम, लोटा और ठीग ठीग पाखना के ट्रेक्टर मालिक है जो रात के अंधेरे नदी से बालू उठाकर क्षेत्र में मनचाहा दामों में बेच रहे है और गरीबों लोगों को पुलिस का भय दिखाकर लूट रहे है।

सूबे के युवा व्यवसायी अरुण सिन्हा को अजरबैजान में मिला सम्मान, लोगों ने दी बधाई

रांची: सूबे के सफल युवा व्यवसायी सह राइडर ग्रुप ऑफ कंपनी के अध्यक्ष अरुण सिन्हा को विदेश की धरती अजरबैजान में मंगलवार को बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। आपको बता दें मंगलवार को रेडियो ऑरेंज की ओर से अवार्ड सेरेमनी अजरबैजान में आयोजित किया गया था। जिसमें देश के चुनिंदा लोगों को सम्मानित किया गया।

जिसमें युवा व्यवसायी अरुण सिन्हा को भी शामिल किया गया था। जिन्हें उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड राइडर ग्रुप ऑफ कंपनी के 27 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिया गया। गौरतलब है कि अरुण कुमार सिन्हा झारखंड के एक सफल बिजनेसमैन के तौर पर जाने जाते हैं। उन्होंने अपना सिक्योरिटी एजेंसी का कारोबार गिरिडीह से शुरू किया। आज इनके कार्यालय और व्यवसाय देश के कई राज्यों में फैले हुए हैं।

उनका नाम झारखंड के सफल उद्यमी के रूप में जाना जाता है। सिन्हा जागरूकता की कमी के कारण होने वाली बेरोजगारी को खत्म करने के मिशन पर हैं। झारखंड में युवाओं को नौकरी लगाने या अपना खुद का उद्यम शुरू करने के लिए मुफ्त प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करना। यह झारखंड के लिए गौरव की बात है कि राज्य के उस उद्यमी को यह पुरस्कार मिला है। श्री सिन्हा की सफलता पर झारखंड के कई प्रमुख लोगों ने सोशल मीडिया और फोन उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 02, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

RATE PURPOSE ONLY

Very Short e-Quotation Reference No : BCD/Bld. Div.No.- 02 Ranchi - 10/2024-25

Sealed Quotations are invited for the work **Proposed Gate Post for Jharkhand Vidhana Sabha, Ranchi, Jharkhand.** for all Materials from Reputed Shop Keepers/Manufacturers/Suppliers/Retailers/ Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan, GST registration no.
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of.

नोट :–
(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 24.12.2024 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 27.12.2024 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(3) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 28.12.2024 अपराह्न 3:30 बजे।
(4) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।
(5) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 7992430721
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-02, Ranchi

PR 342217 Building (24-25)_D

हाईकोर्ट का फैसला छात्रो को न्याय देने की दिशा में राहत भरा कदम : विजय शंकर

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने झारखंड हाईकोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता (जेएसएससी सीजीएल)परीक्षा 2023 का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा देने के आदेश को सराहा है।। इन्होने यह भी कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश का आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच तहे दिल से स्वागत करता है।

नायक ने आगे कहा की उच्च न्यायालय का आदेश झारखंड के लाखो आदिवासी मूलवासी छात्र, युवा,बेरोजगार नौजवानो के भविष्य मे छाये अंधेरा मे एक चिराग की रौशनी की तरह है । इन्होने यह भी कहा कि हाईकोर्ट में आज मंगलवार को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय (जेएसएससी

सीजीएल) परीक्षा पेपर लीक मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की मांग के लिए दायर याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट ने सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का परीक्षाफल प्रकाशन करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है. अदालत ने कहा है कि जब तक कोर्ट आदेश नहीं देता, तब तक रिजल्ट जारी ना किया जाए. मंगलवार को अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पेपर लीक होने के संबंध में दर्ज शिकायत पर परीक्षा संचालन अधिनियम 2023 के तहत पुलिस एफआईआर दर्ज करे और अनुसंधान कर रिपोर्ट दे जो एक महत्वपूर्ण आदेश है । इस संबंध में श्री नायक ने यह भी कहा की इस मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी 2025 को होगी और मंच को आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि राज्य के लगातार आंदोलन कर रहे छात्र, युवा, नौजवान बेरोजगार अभ्यर्थियों को राहत के साथ साथ संपूर्ण न्याय मिलेगा ।

रक्षा राज्य मंत्री से वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

रांची/नई दिल्ली : आज यहाँ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों सहित आर्मी के अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता वुशु खिलाड़ियों और उनके कोच ने मुलाकात की. इस दौरान आर्मी में वुशु के विकास पर गहन चर्चा की गयी. इस अवसर पर माननीय मंत्री महोदय ने उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता वुशु खिलाड़ियों का स्वागत किया और देश के लिए पदक जितने पर खिलाड़ियों को शॉल उढाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के श्री सुहेल अहमद, शिवेंद्र नाथ दुबे, उदय साहू सहित सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के जॉइंट सेक्रेटरी ग्रुप कैप्टेन एम एल एस प्रसाद, वुशु खिलाडी सर्जेन्ट कुशल कुमार, हवलदार विक्रांत बालियान, हवलदार रजत चरक, सिपाही एम सूरज सिंह, सर्जेन्ट एच कारणजीत सिंह, आर्मी वुशु कोच नायब सूबेदार अमित पॉल,जूनियर वारंट ऑफिसर संतोष कुमार,लांस हवलदार चिराग शर्मा। ग्रुप कैप्टेन श्री प्रसाद ने सर्विसेस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के खिलाड़ियों की उपलब्धि पर एक विस्तृत जानकारी मंत्री महोदय को दी।

मंत्री का वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया स्वागत : इस अवसर पर माननीय मंत्री महोदय वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया. श्री अहमद ने वुशु के नये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और नोड खोलने और ताऊलु के पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं हेतु अनुरोध किया. शिवेंद्र दुबे ने आर्मी नोड के झारखण्ड में शुरूआत करने का अनुरोध किया ताकि झारखण्ड के वुशु खिलाड़ियों के लिए सम्भावनाओं के द्वार खुल सकें।

जिला समादेष्टा का कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची

पुनःनामांकन के संबंध में आवश्यक सूचना

निदेशानुसार झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची जिला के प्रभावी बल के सभी नये एवं पुराने महिला/पुरूष गृह रक्षक, चाहे वे सीधे नामांकित हों अथवा अनुकम्पा के आधार पर, सभी गृह रक्षकों का पुनःनामांकन की कार्यवाई तालिका में अंकित तिथि को की जाती है।

उल्लेखनीय है कि झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय राँची के विभिन्न आदेश / निदेश के आलोक में गृह रक्षकों के, प्रखण्डवार रिक्ति, मुख्यालय, राँची द्वारा निर्देशित विहित प्रपत्र के अनुरूप पंजी का संधारण एवं गृह रक्षकों के भौतिक सत्यापन हेतु पुनःनामांकन किया जाना अनिवार्य है। पुनःनामांकन समिति द्वारा शहरी/ग्रामीण सभी गृह रक्षकों की पुनःनामांकन की तिथि निम्न प्रकार निर्धारित की गई है :–

क्र0	गृह रक्षक (शहरी)	पुनःनामांकन की तिथि	पुनः नामांकन स्थल– जिला समादेष्टा कार्यालय, धुर्वा	समय
1.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–2467 से 3015 तक	07.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
2.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–3016 से 3220 तक	08.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
3.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–3224 से 3352 तक	09.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
4.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–3353 से 3476 तक	10.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
5.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–3478 से 3600 तक	11.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
6.	शहरी पुरूष सैन्य सं0–3600 से 3713 तक	13.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
7.	शहरी महिला सैन्य सं0–783 से 1022 तक	15.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
8.	शहरी महिला सैन्य सं0–1023 से 1145 तक	16.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
9.	शहरी महिला सैन्य सं0–1146 से 1245 तक	17.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
10.	शहरी महिला सैन्य सं0–1246 से 1284 तक	18.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
	ग्रामीण महिला एवं पुरूष गृह रक्षकों का प्रखण्डवार सूची :–			
1.	ईटकी, बेड़ो एवं बुढ़मू प्रखण्ड	20.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
2.	अनगड़ा एवं चान्हो प्रखण्ड	21.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
3.	कांके एवं ओरमांझी प्रखण्ड	22.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
4.	तमाड़, नामकोन एवं रातु प्रखण्ड	24.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
5.	बुण्डु, राहे, सिल्ली एवं सोनाहातु प्रखण्ड	25.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
6.	माण्डर प्रखण्ड	27.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे
7.	लापुंग प्रखण्ड	28.01.2025	सी0टी0आई0, धुर्वा	10.00 से 17.00 बजे

उपर्युक्त तालिका में अंकित सभी ग्रामीण एवं शहरी, महिला व पुरूष गृह रक्षक, जो विभिन्न कार्यालयों, आवासीय कार्यालयों, मंत्रालय, विभि–व्यवस्था ड्यिूटी, निदेशालय, सचिवालय, संस्थानों आदि में कर्तव्य पर प्रतिनियुक्त एवं निजी कारण से घर पर बैठे सभी गृह रक्षक, पुनःनामांकन समिति द्वारा निर्धारित तिथि को ससमय निम्नांकित दस्तावेज के साथ भौतिक रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें। यदि आप निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित नहीं होने पर आप पुनःनामांकन प्रक्रिया से वंचित रह जायेगें और आपको प्रभावित बल की सूची से बाहर कर दिया जायेगा, अर्थात् पुनःनामांकन (बॉण्ड) नहीं भरने की स्थिति में आप गृह रक्षक नहीं माने जायेगें साथ ही आपके आवेदन पर पुनः विचार नहीं किया जायेगा, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होगें :–

1. 02 (दो) न्यू पासपोर्ट साईज कलर फोटो (वर्दी सहित)।
2. गृह रक्षक होने का प्रमाण–पत्र की छायाप्रति।
3. शैक्षणिक प्रमाण–पत्र, जिसमें जन्म–तिथि अंकित हो, की छायाप्रति।
4. आधार कार्ड एवं मतदाता पहचान पत्र (वोटर कार्ड) की छायाप्रति।
5. आवासीय प्रमाण–पत्र की छायाप्रति।
6. पिछले दो कैलेण्डर वर्ष, अर्थात् वर्ष–2023 एवं 2024 में किये गये ड्यिूटी की कमान की अलग–अलग छायाप्रति।

नोटः–सभी गृह रक्षकों को निदेशित किया जाता है कि उपरोक्त सभी दस्तावेजों के सत्यापन हेतु मूल प्रमाण–पत्र निर्धारित तिथि को साथ में लायेगें। साथ ही निर्धारित तिथि को जिन–जिन गृह रक्षकों का पुनःनामांकन किया जाना है, केवल वही गृह रक्षक पूर्ण वर्दी में कार्यालय में उपस्थित होगें, अनावश्यक रूप से कोई भी गृह रक्षक कार्यालय में प्रवेश नहीं करेगें। पूर्ण वर्दी में उपस्थित नहीं होने पर आपके पुनःनामांकन पर कोई पुनः विचार नहीं किया जायेगा।

जिला समादेष्टा
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी,राँची

PR 342224 Police(24-25).D

सीजीएल पर राज्यपाल लें संज्ञान, लाठीचार्ज करानेवाले पदाधिकारियों के विरुद्ध हो कार्रवाई : डॉ लंबोदर महतो

पूर्व विधायक ने राज्यपाल को बताया, इस परीक्षा में कई मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, सांसदों व विधायकों के सगे-संबंधी हो गए हैं पास

मेट्रो रेज

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव व पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिलकर जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा में बरती गई अनियमितता की सीबीआई जांच कराने व विरोध कर रहे छात्रों पर बर्बरता पूर्वक की गई लाठीचार्ज के दोषी पदाधिकारियों पर

कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने राज्यपाल को इस बात की भी जानकारी दी कि कई मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, सांसदों व विधायकों के पुत्र-पुत्रियों, सगे संबंधियों व नाते-रिश्तेदारों का चयन कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि

सीजीएल परीक्षा में पास हुए अभ्यर्थियों का नाम सार्वजनिक किया जाना चाहिए। बेहतर यही होता कि राज्य सरकार सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे आंदोलनकारी छात्राओं पर लाठी बरसाने के बजाय चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी कर स्थिति को स्पष्ट करती। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं व अभ्यर्थियों में इस बात को लेकर गुस्सा व आक्रोश है कि इस परीक्षा के संचालन में व्यापक रूप से अनियमितता व गड़बड़ी की गई है। इस स्थिति में जेएसएससी व राज्य सरकार को यह बताना चाहिए की ऐसी कोई बात नहीं है और जिन लोगों का चयन किया गया है या पास हुए हैं उन सबों का परीक्षा परिणाम आम जनों के बीच सार्वजनिक करना चाहिए। ऐसा होने पर ही सीजीएल परीक्षा को लेकर जो शक, सुबा, संदेह व अनियमितता की बात सामने आ रही है वह स्वतः समाप्त हो जाएगी। साथ ही जो लोग अनियमितता में शामिल है वे भी बेनकाब हो जाएंगे। राज्य सरकार इस मामले में सीआईडी जांच की बात कह रही है, जो लीपापोती के अलावे कुछ भी नहीं है। बेहतर और जरूरी यही है कि इस मामले की सीबीआई जांच कराया जाना ही श्रेयस्कर रहेगा। कहा कि राज्य सरकार अगर यह सोच रही है कि आंदोलनकारी अभ्यर्थियों व छात्रों पर लाठी बरसा कर अपनी मंशा में सफल हो जाएंगे तो यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक, गैर जरूरी व अव्यवहारिक है और राज्य सरकार की छात्र-छात्राओं के प्रति संवेदनहीनता को ही दर्शाता है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

महाराष्ट्र में मंत्रियों का शपथ ग्रहण

विशाल बहुमत से शानदार जीत दर्ज करने के बावजूद महाराष्ट्र की महायुति सरकार जिस धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसे सतर्कता कहा जाए या बहुमत का बोझ, यह तय करना फिलहाल मुश्किल है। 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आने के 12 दिन बाद देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाए और उसके भी दस दिन बाद 15 दिसंबर को मंत्रियों का शपथ ग्रहण हो सका। विभागों का बंटवारा होना अभी भी बाकी है। वैसे मौजूदा सरकार के स्वरूप पर गौर करें तो यह स्थिति ज्यादा अस्वाभाविक नहीं लगती। भले ही शिवसेना और ठउढ से अलग हुए धड़ों के साथ इखढ की सरकार करीब ढाई साल कामयाबी से चली। फिर चुनाव में राज्य के वोटरों ने भी इस अलायंस पर सहमति की मुहर लगा दी। लेकिन इस जीत के बाद महायुति के आंतरिक समीकरण में बुनियादी अंतर आ गया है। विधायकों की संख्या चाहे कम ज्यादा रही हो, पहले एकनाथ शिंदे इसके सर्वमान्य नेता थे। अब सबसे बड़ी पार्टी का नेता होने के बावजूद इस सत्तारूढ़ गठबंधन के अंदर देवेंद्र फडणवीस की सहज सर्वोच्चता स्थापित होने में थोड़ा वक्त लग सकता है। शायद यही वजह है कि शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे के लिए इस गठबंधन में अपनी दूसरे नंबर की हैसियत को पचाना और अपने समर्थकों से स्वीकार कराना मुश्किल हो रहा है। उपमुख्यमंत्री पद के लिए वह जैसे-तैसे राजी हुए तो मंत्रियों की कम संख्या का सवाल आड़े आया और अब विभागों के बंटवारे को लेकर आखिरी पलों तक रस्साकशी होनी है। तीनों पार्टियों में चल रही इस असामान्य रस्साकशी का एक रूप कहिए या विधायकों की बढ़ी हुई संख्या का दबाव, शायद पहली बार महाराष्ट्र में मंत्रियों के लिए ढाई साल के कार्यकाल का फॉम्युर्ला सामने लाया गया। राजनीतिक मजबूरियों के बीच रास्ता निकालने की कला के तौर पर निश्चित रूप से यह अच्छा कदम है। हो सकता है इससे मंत्रियों पर बेहतर काम करने का दबाव भी रहे। लेकिन संसदीय लोकतंत्र में मंत्रिमंडल सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के तहत काम करता है। ऐसे में सार्वजनिक तौर पर मंत्रियों को नाकाम करार दिए जाने को लेकर यह खुलापन भी सवालों से परे नहीं है। बहरहाल, लोकतंत्र नई चुनौतियों के नए हल निकालते हुए ही आगे बढ़ता है। ऐसे में महाराष्ट्र की नई सरकार को लेकर भी अभी से फैसले सुनाना सही नहीं होगा। तमाम राजनीतिक मजबूरियों के बीच भी फडणवीस सरकार को स्थिरता और कामकाज की दो सबसे बड़ी कसौटियों पर ही खुद को साबित करना है और भूलना नहीं चाहिए कि महाराष्ट्र ने उस पर अपनी उम्मीदें टिका रखी हैं।

मुश्किल में इंडी ,चुनावी नाकामियों ने दरार बढ़ाई

विपक्षी गठबंधन इंडी में दरारें उभर रही हैं। महाराष्ट्र में सपा और शिवसेना के बीच अनबन और ममता बनर्जी की नेतृत्व की इच्छा ने गठबंधन में तनाव बढ़ा दिया है। सीट बंटवारे और मुद्दों पर आम सहमति की कमी, क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच टकराव की वजह बन रही है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि विपक्षी गठबंधन इंडी में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष और बयानबाजी विपक्ष के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं। महाराष्ट्र में सपा का शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ना भले राज्य की सियासत पर असर न डाले, लेकिन इसके गहरे मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडी को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विपक्ष में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है आम सहमति की। सीटों से लेकर मुद्दों तक, दोस्त दलों के बीच कहीं एकजुटता नहीं दिखती। यह बात इस शीतकालीन सत्र में भी साबित हो गई, जब अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपने स्पेस के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय सियासत की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र इलेक्शन के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। ऐसा नैशनल अलायंस समझ से बाहर है, जिसमें इतने अंतर्विरोध हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है। गठबंधन चलता है समझौतों से, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें। यहां सवाल है कि कौन समझौता करेगा? अभी तक तो यही हुआ कि जहां जो दल मजबूत था, वहां उसने दूसरे सहयोगी दलों को अपने बात मनवाने की कोशिश की। कांग्रेस पर सबसे बड़ा आरोप यही है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी अलायंस की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी अलायंस के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। खैर, आने वाले चुनाव विपक्षी अलायंस के भविष्य के लिए भी अहम हैं। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है।

घरेलू विवाद से दहेज के झूठे मामलों में उलझते पुरुष

घरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित करके उन्हें लिंग-तटस्थ बनाया जाए, जिससे घरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून लिंग-तटस्थ हैं। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिरासत के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है।

प्रियंका सौरभ

जब वैवाहिक कलह के कारण घरेलू विवाद उत्पन्न होते हैं, तो अक्सर पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की कोशिश की जाती है। अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें सतर्क रहना होगा कि कहीं कानून का दुरुपयोग कर पति के रिश्तेदारों को फंसाया तो नहीं जा रहा। अदालतों को निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए।

पुरुषों के अधिकारों से तात्पर्य कानूनी और सामाजिक अधिकारों से है, जो खासतौर पर पुरुषों के सामने आने वाली समस्याओं को सम्बोधित करते हैं। भारत में, जबकि महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना जरूरी है, पुरुषों की चुनौतियों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, जैसे धारा 498ए आईपीसी के तहत घरेलू हिंसा के मामलों में झूठे आरोप, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी और सीमित पैतृक अधिकार। साझा पालन-पोषण कानूनों के इर्द-गिर्द हाल की बहसें लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करती हैं। भारत में पुरुषों के अधिकारों को अक्सर लैंगिक समानता पर व्यापक चर्चा में कम ध्यान दिया जाता है। घरेलू दुर्व्यवहार के शिकार के रूप में पुरुषों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती है, जिससे सुरक्षा की मांग करना या दुर्व्यवहार के मामलों की रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवनसाथी द्वारा भावनात्मक, वित्तीय या शारीरिक शोषण के शिकार पुरुषों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है और घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा ढाँचों के तहत कानूनी सहारा नहीं मिलता है।

पुरुषों से भावनाओं को दबाने की सामाजिक अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जिससे आत्महत्या की दर और अनुपचारित मनोवैज्ञानिक समस्याएँ बढ़ती हैं। 2022 के एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि आत्महत्या के 72.5% मामले पुरुषों के हैं, जो लिंग-संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है। तलाक या अलगाव कानून मातृ हिरासत का पक्ष लेते हैं, पिता की भूमिका को हाशिए पर डालते हैं और बच्चे के पालन-पोषण में उन्हें समान अधिकारों से वंचित करते हैं। अभिभावक और वार्ड अधिनियम, 1890, मातृ हिरासत को प्राथमिकता देता है जब तक कि माँ को अयोग्य नहीं माना जाता है, जिससे माता-पिता की भागीदारी के लिए पिता के अवसर सीमित हो जाते हैं। धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) जैसे लिंग-विशिष्ट कानूनों का कभी-कभी दुरुपयोग किया जाता है, जिससे निर्दोष पुरुषों को प्रतिष्ठा, वित्तीय और भावनात्मक नुकसान होता है। राजेश शर्मा बनाम यूपी राज्य (2017) में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग को नोट किया और झूठे आरोपों के खिलाफ सुरक्षा उपाय पेश किए।

पुरुषों के पास शिकायतों को दूर करने के लिए समर्पित संस्थान या हेल्पलाइन का अभाव है सामाजिक रूढ़िवादिता पुरुषों को अपराधी के रूप में चित्रित करती है, संस्थागत दृष्टिकोण को प्रभावित करती है और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार या यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में उचित उपचार को सीमित करती है। विशाखा दिशा-निर्देश केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न को कवर करते हैं, जिससे पुरुष पीड़ितों को भारतीय कानून के तहत समान सुरक्षा नहीं मिलती है। यौन शोषण के वयस्क पुरुष उत्तरजीवी कानूनी ढांचे में अपरिचित रहते हैं, जिससे उन्हें वैधानिक उपचार या संस्थागत सहायता से वंचित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, आईपीसी की धारा 375 बलात्कार को केवल एक महिला के दृष्टिकोण से परिभाषित करती है, जिससे यौन उत्पीड़न के पुरुष उत्तरजीवी बिना किसी सहारे के रह जाते हैं।

घरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित कर-के उन्हें लिंग-तटस्थ बनाया जाए, जिससे घरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून लिंग-तटस्थ हैं। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिरासत के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है। जापान ने तनाव कम करने को लक्षित करते हुए कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिन्हें लिंग-विशिष्ट चिंताओं को शामिल करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है।

केरल में पुलिस के लिए नियमित संवेदीकरण कार्यशालाओं के परिणामस्वरूप लिंग-आधारित शिकायतों का अधिक संतुलित संचालन हुआ है। संगठनों को समावेशी कार्यस्थल नीतियों को बाध्यकारी किया जा सकता है जो पितृत्व अवकाश, पुरुषों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसे मुद्दों को सम्बोधित करती हैं। स्वीडन की पैतृक अवकाश नीति पिता को समान अवकाश प्रदान करती है, जो घर पर साझा पालन-पोषण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है। लैंगिक न्याय के लिए संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए पुरुषों के अधिकारों को समान ईमानदारी से सम्बोधित करने की आवश्यकता है। लैंगिक-तटस्थ कानून, मानसिक स्वास्थ्य सहायता में वृद्धि और सामाजिक रूढ़ियों को खत्म करने के लिए जागरूकता अभियान महत्त्वपूर्ण कदम हैं। जैसा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, 'किसी भी जगह अन्याय हर जगह न्याय के लिए खतरा है।'

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता

जब हमारा मस्तिष्क विचारों के भार से मुक्त या कहें स्वच्छ रहता है तो नए विचारों की स्वीकार्यता बढ़ जाती है। तब नए दृष्टिकोण आते हैं, नई उद्भावनाएँ आती हैं और अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने के लिए सूझ भी मिलती है। सीखने के लिए उचित परिवेश जरूरी है और ध्यान हमें एकाग्र करके इसे संभव बनाता है। वह हमें आत्मचेतस बनाता है और हम अपने स्व से अवगत होते हैं। यह दुर्भाग्य है कि आज की शिक्षा में आमतौर पर बाहर की दुनिया को देखना तो सिखाया जाता है परंतु अंदर झांकना नहीं हो पाता है।

विश्व ध्यान दिवस (21 दिसम्बर) पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र

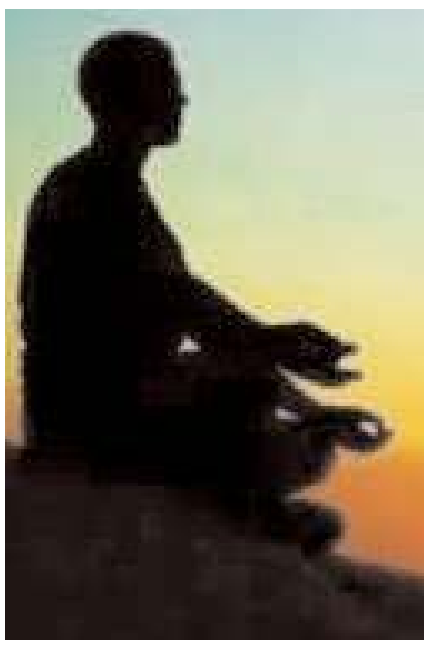

ध्यान किसी तरह का धार्मिक उपक्रम नहीं है। यह बाहर से हट कर अंदर के अनुभवों को सम्बोधित करने वाला वैचारिक (रिफलेक्टिव) प्रयास है। एकाग्रता तथा अवगत या सचेत होना ही इसका मुख्य आधार है जो वर्तमान में बने रहने और मन की शांति को रेखांकित करता है। दरअसल आँख, कान, नाक, त्वचा आदि हमारे सभी संग्राहक बाहर की दुनिया से लगातार उद्दीपक लाते रहते हैं और उस सारी सामग्री की हमारे मन को व्याख्या करनी पड़ती है। हमारी आँखों से एकत्रित सूचनाओं की बाहर की दुनिया से मिलने वाली सम्पूर्ण सूचनाओं के करीब दो तिहाई भाग की हिस्सेदारी होती है। ये सारी सूचनाएँ हमारे चेतन मन पर असर डालती हैं। तनाव के क्षणों में मन अंदर और बाहर से पैदा होने वाले विचारों से जूझता है। ये विचार ध्यान पाने के लिए आपस में प्रतिद्वांदिता करते हैं और एक-दूसरे से टकराते भी हैं । सूचनाओं की बढ़ती मात्रा से सूचना का अतिभार पैदा होता है। तब अवधान की एकाग्रता घटने लगती है। एक साथ भारी संख्या में आते विचारों की अव्यवस्थित भीड़ का तनाव के अनुभव से बड़ा गहरा रिश्ता है। कहते हैं ध्यान का कार्य एक ब्लैकबोर्ड पर चाक से की गई सारी लिखावट को डस्टर से साफ करने जैसा होता है। ध्यान मानसिक कोलाहल हटा कर संतुलन लाने का काम करता है। सूचना और संचार की शब्दावली में कहें तो ध्यान करने से हमारी चेतना की बैंडविड्थ बढ़ जाती है।

ध्यान कई प्रकार का होता है। इसे सिर्फ विचार या कल्पना मान लेना ठीक न होगा। ध्यान के अंतर्गत आदमी सजग और सचेत होकर अपने भीतर की ओर गहन स्तर पर केंद्रित होता है। इसे आंतरिक ध्यानाकर्षण भी कह सकते हैं। ध्यान को मुख्यतः दो भागों में रखा जाता है। एकाग्र ध्यान तथा सचेत ध्यान इसके दो मुख्य प्रकार पहचाने गए हैं। एकाग्र ध्यान करने में किसी एक विचार पर अवधान (अटेंशन) को केंद्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत किसी मंत्र, शब्द या ध्वनि पर अवधान केंद्रित करना सम्मिलित है। एकाग्र होने से मन भटकता नहीं है। ध्यान के फलस्वरूप होने वाले मुख्य अनुभवों में आंतरिक एकाग्रता, प्रशांति और सहज भाव मुख्य होते हैं। ध्यान में वर्तमान का सम्पूर्ण अनुभव होता है। भावातीत ध्यान भी इसी तरह का है जो पश्चिम में बड़ा लोकप्रिय हुआ। सचेत ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) में सभी आ रहे विचारों को स्वीकार किया जाता है और उनको नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की जाती है। बिना किसी निर्णय या भावनात्मक लगाव के उनको अनुभव किया जाता है। जेन ध्यान, विपश्यना, प्रेक्षा ध्यान, सहज ध्यान आदि कई प्रकार के ध्यान की परम्पराओं का विकास हुआ है।

वस्तुतः ध्यान से हमारी चेतना की दशा में बदलाव आता है। विस्तार में कहें तो देश और काल के अनुभव, वर्तमान की उन्मुखता, ग्रहणशीलता में वृद्धि और स्वयं को अतिक्रांत करने की वृत्ति जैसे बदलाव प्रमुखता से पाए गए हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि ध्यान लगाने से जैविक शारीरिक स्तर पर अनेक परिवर्तन आते हैं। इनमें आक्सीजन की खपत में कमी, हृदय गति का धीमा होना तथा रक्तचाप कम प्रमुख हैं। ध्यान करने से मस्तिष्क में अल्फा तरंगें अधिक होती हैं।ध्यान के लिए जरूरी है कि शांत स्थान पर आराम से स्थिर बैठने का अभ्यास किया जाए। तब श्वांस को सहज बना कर साक्षी भाव अपनाते हुए मन में आ-जा रहे विचारों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। स्वीकार करने की मनोवृत्ति के साथ केंद्रित और अविचलित बने रहना ध्यान की बड़ी उपलब्धि होती है। कहते हैं कि ध्यान एक मानसिक झाड़ू जैसा होता है जो मन के सभी कोनों में सफाई कर देता है। ध्यान मन की स्थिति है जिसके लिए एकाग्रता का अभ्यास जरूरी होता है। वस्तुतः ध्यान हमारी चेतना का अंतरण है। यह एक व्यवस्थित और पद्धतिबद्ध प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ शरीर, स्वांस, इंद्रियाँ और मन इन सभी पर हम क्रमशः केंद्रित होते चलते हैं। आमतौर पर योगासन, स्ट्रेचिंग, आराम (रिलैक्सेशन), श्वांसन अभ्यास के बाद ज्ञान मुद्रा के साथ सुखासन या पद्मासन में बैठ ध्यान किया जाता है। ऐसे में अहं को चेतना के केंद्र की ओर ले जाना सम्भव हो पाता है। शांति, आनंद, स्वतंत्रता ही हमारी मूल प्रकृति है। जीवन और मृत्यु, आगमन-प्रस्थान सरीखे होते हैं। आंतरिक विकास तथा आत्मा और स्व के प्रति जागरूकता ध्यान की श्रेष्ठ उपलब्धि है। ध्यान के सतत अभ्यास से तनाव का प्रतिरोध संभव होता है और मानसिक शांति की अवस्था में वृद्धि होती है। ध्यान से आनंद में वृद्धि तथा अनुभव में संतुष्टि, स्पष्टता और सजगता आती है। तब शरीर विश्रांत, मन केंद्रित और स्वास्थ्य अच्छा होता है। ध्यान का उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यास करने वाला व्यक्ति आत्मनिर्भर और आंतरिक बल से सम्पन्न होता है।

ध्यान का अभ्यास करने के दौरान कई तरह की बाधाएँ आती हैं। ध्यान करने वाले को साक्षी भाव अपनाते हुए इन बाधाओं की उपेक्षा करनी चाहिए। चूँकि मन बड़ा चंचल होता है, ध्यान को लेकर अक्सर प्रतिरोध भी अनुभव किया जाता है जो निरंतर अभ्यास से नियंत्रित होता है। धीरे-धीरे ध्यान की अवधि और गहनता बढ़ाई जाती है। इसी जटिलता के कारण गुरु की आवश्यकता पड़ती है। ध्यान समूहों और अन्य साधक जनों से सहायता ली जानी चाहिए। मन में स्वीकार की भावना के साथ अभ्यास लाभप्रद होता है। आधुनिक जीवन शैली जिस तरह सूचनाओं के प्रवाह से आक्रांत हो रही है उसमें हमारा अवधान न केवल खंडित हो रहा बल्कि उसकी अवधि संक्षिप्त और गहनता घट रही है। ऐसे में ध्यान का अभ्यास विद्यार्थियों, व्यवसाय में लगे लोगों सबके लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसकी सहायता से हम जीवन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं और देश व समाज को योगदान कर सकेंगे।

जब हमारा मस्तिष्क विचारों के भार से मुक्त या कहें स्वच्छ रहता है तो नए विचारों की स्वीकार्यता बढ़ जाती है। तब नए दृष्टिकोण आते हैं, नई उद्भावनाएँ आती हैं और अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने के लिए सूझ भी मिलती है। सीखने के लिए उचित परिवेश जरूरी है और ध्यान हमें एकाग्र करके इसे संभव बनाता है। वह हमें आत्मचेतस बनाता है और हम अपने स्व से अवगत होते हैं। यह दुर्भाग्य है कि आज की शिक्षा में आमतौर पर बाहर की दुनिया को देखना तो सिखाया जाता है परंतु अंदर झांकना नहीं हो पाता है। शिक्षित होकर भी हमारे भीतर क्या है, इससे हम अनजान बने रहते हैं। भीतरी आयामों तक जाने की विधा सामान्य रूप से अध्ययन का विषय नहीं है। इस कमी को दूर करने के लिए ध्यान को शिक्षा का अंग बनाना आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

क्रोध की हालत में सही निर्णय नहीं हो पाता है

अध्यात्म

क्रोध विनाश का कारण बन जाता है। क्रोध कभी नहीं करना चाहिए। यह व्यक्ति की मति मार देता है, बुद्धि हर लेता है। इसके वशीभूत होकर लोग अक्सर गलत कदम उठा लेते हैं। इसकी वजह से इंसान सही-गलत में अंतर नहीं कर पाता है और वहशीपन पर उतारू हो जाता है। इसके प्रभाव में आदमी अपनापन, स्नेह, लगाव, प्रेम, आत्मीयता तो छोड़िए, अपना अस्तित्व तक भूल जाता है। क्रोध की अवस्था में किसी व्यक्ति और खूंखार जानवर में कोई फर्क नहीं रह जाता है। इंसान का रोष उसके लिए कई बार अभिशाप के रूप में भी सामने आता है। यह मानव मन की एक भावना है, जिसे अक्सर अच्छा नहीं माना जाता है। क्रोध का जनक भय भी माना जाता है। जब इंसान भय पर नियंत्रण करने की कोशिश करता है तो वह रोष के रूप में प्रकट होता है। कहा गया है कि काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ये सब जीवन के सबसे बड़े शत्रु हैं। एक गुरु अपने शिष्यों को हमेशा अच्छाई और सदाचार का प्रचार-प्रसार करने की शिक्षा दिया करते थे। वह कहते थे कि केवल उपदेश देने में समय न गंवाना, बल्कि अपने हाथों से दीन-दुखियों, पीड़ितों, असहायों, निराश्रितों की अधिक से अधिक सेवा करना। किसी के यहां जाकर प्रेमपूर्वक सहायता मांगने पर अगर वह आपके साथ अमर्यादित आचरण करे, तब भी उस पर क्षोभ मत करना। वह जानते थे कि धन, संपत्ति संग्रह करने की प्रवृत्ति भय, कलह पैदा करती है। इसलिए वह अपने शिष्यों को समझाते कि अपने पास अपनी जरूरत भर की ही चीजें रखना। अधिक का संग्रह मत करना। भिक्षा में जो भोजन मिल जाए, उसी से संतुष्ट रहना। उन्होंने यह भी कहा कि लोग तुम्हारा विरोध करेंगे, उत्पीड़न भी करेंगे। लेकिन बहुत सावधानीपूर्वक शांति और धैर्य बनाए रखना। यह मानकर चलना कि वे शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं, आत्मा को नहीं। कारण बताते थे, आत्मा तो अमर, अजर और अविनाशी है। वह समझाते थे- सत्य, अहिंसा पर अटल रहने वाले को कोई नहीं मार सकता। जो तुम्हारा तिरस्कार करता है, वह स्वयं भगवान का तिरस्कार करता है, क्योंकि उसी भगवान ने हम सबको बनाया है। भगवान श्रीकृष्ण ने क्रोध को नर्क का द्वार बताया है। उन्होंने कहा है कि जो मनुष्य बात-बात पर तैश में आ जाता है, वह जीवन में कभी तरक्की नहीं कर पाता है और जीवन में हमेशा दुखी रहता है। क्रोध की हालत में मनुष्य कभी सही निर्णय नहीं कर पाता है। गुस्से की हालत में व्यक्ति खुद का भी नहीं रहता। वह अर्थहीन बातें करने लगता है। शास्त्रों में इसे मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु माना गया है। ऐसे में व्यक्ति अपना आपा खोकर कुछ भी कर बैठता है। रोष और आंधी को एक समान बताया गया है।

सेहत

सर्दियों में ड्राई स्किन होगी दूर

अक्सर सर्दी के मौसम में ड्राई स्किन परेशान करती रहती है। इस मौसम में ड्राई स्किन से निपटना काफी मुश्किल होता है। ठंड में हवा में नमी काफी कम होती है, जिससे स्किन ड्राई होने लगती है। सूखी त्वचा की समस्या से निपटने के लिए टोनर का प्रयोग करना उचित हैं लेकिन इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना भी काफी जरुरी है। यदि आपकी स्किन ड्राई हो जाती है, तो हाइड्रेटिंग फेस टोनर आपके लिए बेस्ट है। आइए आपको बताते हैं कि इसका सही यूज कैसे करे। जब भी आप अपने त्वचा की देखभाल करना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने चेहरे पर जमा प्रदूषक, गंदगी, मैल आदि को हटाने के लिए अच्छे मॉइस्चाराइजिंग क्लींजर का यूज करें। इसकी मदद से आप चेहरे और गर्दन को साफ कर सकते हैं। जब त्वचा नम होती है तो टोनर आपकी स्किन में अच्छी तरह से अवशोषित हो जाते हैं। चेहरे को क्लींजर से धोने के बाद थोड़ा नम छोड़ते हुए माइक्रोफाइबर तौलिए से धीरे से थपथपाएं जरुर। इसके बाद आप स्किन को हाइड्रेटिंग रखने के लिए अच्छे क्वालिटी वाले टोनर को ले। मॉइस्चराइजिंग टोनर स्किन के पीएच लेवल को सुंतलित करने में मदद करता है। इसके साथ ही पहले रुखी त्वचा, ड्राई त्वचा में हाइड्रेशन को भी बढ़ावा देते हैं। टोनर को लगाने लिए एक कॉटन पैड पर कुछ बूंद टोनर की डालें और धीरे से ऊपर की ओर स्वाइप करें। चेहरे की नमी बनाए रखने के लिए फेस सीरम का प्रयोग करें। हथेली पर सिरम की बूंदें डालें और फिर फेस सीरम लगाएं। ये स्किन की चमक बनाए रखने में मदद करेगा। इसके साथ ही आप ड्राई स्किन से निपटने के लिए बेस्ट है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

डीजीपी की चेतावनी: झारखंड में अफीम की फसल दिखी तो नप जाएंगे अफसर

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड में पहली बार अफीम की फसल के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के कड़े निर्देश के बाद पूरा पुलिस महकमा अफीम की खेतों के पीछे पड़ा हुआ है।

पुलिस ने मात्र 15 दिनों के भीतर 10 एकड़ से ज्यादा भूमि में लगे अफीम की फसल को रौंद दिया गया है। केवल खूंटी जिला में ही पांच दिनों के भीतर 44 एकड़ अफीम नष्ट किया गया है। वहीं झारखंड डीजीपी अनुराग गुप्ता ने भी बड़ा स्पष्ट कर दिया है कि जो पुलिस वाले अफीम तस्करों का सहयोग कर रहे हैं, उन पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर से लेकर जेसीबी तक लगाया गया : झारखंड की राजधानी रांची के अलावा खूंटी, हजारीबाग, लातेहार, पलामू और चतरा अफीम माफिया के लिए बेहद उपजाऊ जिला हुआ करते थे। ग्रामीणों का सहयोग लेकर अफीम माफिया घोर नक्सल प्रभावित इलाकों में एकड़ की एकड़ जमीन पर अफीम की फसल उगाते थे। इस साल भी झारखंड में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की गई है लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश के बाद इस बार पुलिस अफीम के तैयार होने का इंतजार नहीं कर रही है बल्कि जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर जंगलों में घुस चुकी है। जहां जहां अफीम की फसल नजर आ रही है उसे नेस्तानाबूद कर दिया जा रहा है। पुलिस इतनी सजग हो गई है कि जहां उन्हें यह पता चल रहा है कि अफीम का बीज बोया गया है उस खेत में भी ट्रैक्टर चलाकर उसे बर्बाद किया है। पुलिस की इस लगातार चल रही कार्रवाई से अफीम माफिया को अब तक करोड़ों का नुकसान हो चुका है।

पुलिस अफसरों पर भी रखी जा रही नजर : यह सभी जानते हैं कि बिना पुलिस की मदद के अफीम माफिया अफीम की खेती करने में कामयाब नहीं हो पाते हैं। लेकिन झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता नशे के तस्करों के खिलाफ नो टॉलरेंस की नीति के तहत काम कर रहे हैं। डीजीपी ने बताया कि मैंने स्पेसल ब्रांच के आईजी को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अफीम माफिया से मिलीभगत रखने वाले पुलिस अफसरों का पता लगाएं। डीजीपी ने बड़े ही कड़े शब्दों में कहा कि मैं वैसे किसी भी पुलिस अफसर को छोड़ूंगा नहीं जो अफीम तस्करों से मिलीभगत करते होंगे।

डीजीपी के कड़े तेवर से रेस है पुलिस : डीजीपी के कड़े तेवर देखकर जिन जिलों में अफीम की खेती हो रही थी वहां के पुलिस अधीक्षक खुद एक्टिव हो गए हैं। लगातार अफीम के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है आंकड़े और तस्वीर बता रहे हैं कि किस कदर इस साल भी अफीम माफिया

फसल की बीज बोने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन इस बार अफीम माफिया को भारी नुकसान हो रहा है। जंगलों और बीहड़ों में पुलिस की टीम कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रैक्टर और जेसीबी लेकर उतर चुकी है और हर दिन लगभग तीन से चार एकड़ की खेती नष्ट की जा रही है।

खूंटी में 13 दिसंबर से अभियान जारी, 44 एकड़ अफीम की फसल नष्ट : झारखंड का खूंटी जिला अफीम की फसल को लेकर काफी बदनाम है। लेकिन लगता है इस बार अफीम नष्ट करने के मामले में यह जिला अव्वल होगा। 13 दिसंबर को को खूंटी थाना के ग्राम ओंड्रा में 1 एकड़, अड़की थाना अंतर्गत धोबा कदमडीह में 02 एकड़, जोरको में 03 एकड़, मुरहू थाना के बागमा में 1।8 एकड़, मरांगहदा में 1 एकड़, सायको थाना के जिलिंगकेला में 3।5 एकड़ में अवैध अफीम कि खेती को विनष्ट किया गया।

14 दिसंबर को खूंटी थानान्तर्गत ग्राम सिम्बुकेल में 1 एकड़, अड़की थानान्तर्गत ग्राम शमार्ली में 02 एकड़, मरांगहदा थानान्तर्गत चन्डोर में 1।5 एकड़, सायको थानान्तर्गत सलगा में 02 एकड़, मुरहू थानान्तर्गत ग्राम मलियादा में 02 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया। जबकि 15 दिसंबर को खूंटी थाना के ग्राम बुद्धूडीह में 1।5 एकड़, मुरहू थाना के कटहलटोली में 4 एकड़, अड़की थाना के लेंबेद में 05 एकड़, सायको थाना अंतर्गत 2।5 एकड़, मरांगहदा के पुतिदा 1 एकड़ एकड़ में अवैध अफीम की फसल को विनष्ट किया।

खूंटी पुलिस ने 16 दिसंबर को भी अफीम के खिलाफ अभियान चलाया। जिसमें खूंटी थाना के ग्राम कामान्ता में 1 एकड़, मुरहू थाना के सांडीगांव में करीब 5 एकड़, अड़की थाना के रायकुटी रुमुचु में 2।1 एवं बारीडीह में 2।5 एकड़, सायको थाना के सपारोम एवं भुरसु में 2 एकड़, मरांगहदा के दिरीगाढ़ा 1।5 एकड़ में अवैध अफीम की फसल को विनष्ट किया।

यह अभियान अभी थमेगा नहीं क्योंकि पुलिस के पास अभी-भी एकड़ की एकड़ में अफीम के फसल होने की जानकारी मिली है, जिनको नष्ट करना अभी बाकी है। खूंटी एसपी अमन कुमार ने बताया कि खूंटी में जहां-जहां अफीम की खेती की सूचना मिली है वहां अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी कीमत पर भी अफीम लगी एक भी खेत को छोड़ा नहीं जाएगा।

पलामू में आफत में अफीम माफिया : झारखंड के पलामू में भी अफीम के खिलाफ जोरदार कार्रवाई चल रही है। आलम यह है कि इस जिला में भी अफीम तस्करों को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ा है। पलामू पुलिस कप्तान रीष्मा रमेशन ने बताया कि पलामू में आज की तारीख में भी नशे के तस्करों के द्वारा उगाई गयी अफीम की फसल को नष्ट किया जा रहा। आंकड़ों पर नजर डालें तो 14 दिसंबर को पलामू के मनातू थाना अंतर्गत ग्राम सीदका के वन क्षेत्र में करीब 10 एकड़ और सिकनी के वन क्षेत्र में करीब 5 एकड़ अफीम की खेती को वन विभाग मनातू की टीम के साथ मिलकर विनष्ट किया गया। 15 दिसंबर को मनातू थाना अंतर्गत ग्राम सरगुजा टोला कर्मतांड में वन क्षेत्र में लगे चार एकड़ पोस्ता की खेती को विनष्ट किया गया। 15 दिसंबर को ही पांकी थाना अंतर्गत हेडूम पहाड़ के नीचे तराई में अवैध रूप से लगे पोस्ता की खेती कुल करीब 10 एकड़ विनष्टीकरण किया गया।

16 दिसंबर को ग्राम धनकाही गांव के जंगल में अवैध रूप से लगे पोस्ता की खेती को मनातू थाना पुलिस और वन विभाग मनातू की टीम के साथ करीब 15 एकड़ खेती को ट्रैक्टर चलाकर विनष्ट किया गया। 17 दिसंबर को मनातू थाना अंतर्गत ग्राम खरीगदाग स्थित इटवाही जंगल में अवैध रूप से लगी पोस्ता की 15 एकड़ फसल को विनष्ट किया गया।

लातेहार में भी जोरदार कार्रवाई : झारखंड के लातेहार जिला में भी अफीम माफिया के खिलाफ जोरदार करवाई जा रही है। 15 दिसंबर को लातेहार के बरियातू थाना क्षेत्र में 5 एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किया गया। 16 दिसंबर को फिर हंस थाना क्षेत्र में चार एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किया गया। 14 दिसंबर को हिरण की में ही 3 एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किया गया। वहीं बरियातू थाना क्षेत्र में ही 15 दिसंबर को ढाई एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। अफीम की फसल लगाने वाले लोगों की भी तलाश की जा रही है उन पर भी मुकदमा दर्ज कारवाई की जाएगी।

हजारीबाग में एक दिन में 25 एकड़ की फसल नष्ट : हजारीबाग पुलिस के द्वारा 16 दिसंबर को बड़ी कार्रवाई की गयी है। पुलिस की टीम ने चौपारण के आसपास अफीम तस्करों के द्वारा लगाए गए 25 एकड़ में लगी अफीम की फसल को नष्ट कर दिया है।

रांची में भी कार्रवाई जारी : राजधानी रांची में भी अफीम की फसल के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। 15 दिसंबर को तमाड़ और दशमफॉल थाना क्षेत्र में ग्राम हुसीरहातु के जंगलों में करीब 01 एकड़ 70 डिसमील में लगे अवैध पोस्ता (अफीम) की फसल को नष्ट किया गया। साथ ही तमाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुरुडीह के जंगल में अफीम के बीज लगे लगभग 02 एकड़ खेत को विनष्ट किया गया। 16 दिसंबर को रांची पुलिस द्वारा दशमफॉल थानाक्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुगीर्डीह के आसपास के जंगली क्षेत्र में लगे अफीम के बीज लगे लगभग 02 एकड़ खेत को ट्रैक्टर से जोत कर एवं पुलिस बल के मदद से विनष्ट किया गया। इसके अलावा बुंडू थाना अंतर्गत ऐदलहातू ग्राम क्षेत्र में लगभग 1 एकड़ में लगे अफीम के पौधे को नष्ट किया गया। झारखंड पुलिस ने जिस तरह से अफीम की खेती के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है उसे देखकर लगता है कि इस बार अफीम नष्ट करने सारे पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे। पिछले 10 दिनों के अभियान में झारखंड में लगभग 100 एकड़ से ज्यादा की अफीम नष्ट की जा चुकी है।

अगर सीआईडी के आंकड़ों पर गौर करे तो साल 2023 में 2545 एकड़, 2022 में 2926 एकड़, साल 2021 में 3034 एकड़, साल 2020 में 2634।7 एकड़, साल 2019 में 2015।4 एकड़, साल 2018 में 2160।5 एकड़, 2017 में 2676।5 एकड़, 2016 में 259।19 एकड़, 2015 में 516।69 एकड़, 2014 में 81।26 एकड़, 2013 में 247।53 एकड़, 2012 में 66।6 एकड़ व 2011 में 26।85 एकड़ जमीन से अफीम नष्ट करने की कार्रवाई की गई थी।

अफीम क्यों है खतरनाक : झारखंड में उगाई जाने वाली अफीम की फसल क्यों खतरनाक है, इसके पीछे कई वजह हैं। पहली वजह तो यह है कि अफीम की फसल से करोड़ों की कमाई होती है। जिसका एक बड़ा हिस्सा नक्सलियों और उग्रवादियों तक पहुंचता है जिसका इस्तेमाल में पुलिस के खिलाफ करते हैं। वहीं अफीम एक ऐसी नशीली फसल है इसके पौधे का एक-एक पार्ट का इस्तेमाल नशे के लिए होता है। अफीम से ही ब्राउन शुगर जैसा घातक मादक पदार्थ बनता है जबकि इसके डोडे का इस्तेमाल भी नशे के लिए किया जाता है। यही वजह है कि अफीम की फसल के खिलाफ झारखंड में जोरदार अभियान चलाया जा रहा है।

यूज ब्रीफ

मजदूर संघ के केंद्रीय अधिवेशन में सैकड़ो कार्यकर्ता लेंगे भाग : मिथुन यादव

साहिबगंजः शहर के जनरल इंस्टिट्यूट मैदान के पीछे मां तारा मंदिर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के केन्द्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।बैठक में केन्द्रीय अधिवेशन की सफलता को लेकर विशेष चर्चा की गई।बैठक में 21 दिसंबर को बाकुड़ी में होने वाले केंद्रीय अधिवेशन में साहिबगंज सदर एवं ग्रामीण से सैकड़ों की संख्या में लोग भाग लेंगे।इस बैठक में मुख्यरूप से केन्द्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,जिला अध्यक्ष, मिथुन कुमार यादव,रणधीर प्रसाद चौरसिया,रोहित कुमार गुप्ता,फुलकुमारी,रविन्द्र प्रसाद साह,मनोज खुदानियां,सुनिल गुप्ता,सुनिल यादव,विनय कापरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जरूरतमंदों को आश्रय गृह में पहुंचाया

साहिबगंजः प्रशासक नगर परिषद साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह ने बढ़ते ठंड को देखते हुए जरूरतमंदों का रेस्क्यू कर बस स्टैंड स्थित आश्रय गृह पहुंचाने एवं जगह जगह पर अलाव लगाने हेतु निर्देश दिया।नगर क्षेत्र के सदर अस्पताल के मरीजों एवं उनके साथ आनेवाले व्यक्तियों से वातार्लाप कर कहा की अगर ठंड से कोई समस्या हो तो अलाव की व्यवस्था के साथ कंबल भी नगर परिषद के द्वारा प्रदान की जायेगी।प्रशासक द्वारा आश्रय गृह बस स्टैंड वं स्ट्रीट लाईट का भी निरीक्षण किया गया ।साथ ही उन्होंने कहा कि रेस्क्यू टीम शीत लहर के मौसम में लगातार कार्य कर रही है। मौके पर नगर प्रबंधक बीरेश कुमार सफाई प्रभारी शिव हरि राकेश रंजन आदि मौजूद रहे।

उद्यान विभाग से स्ट्रॉबेरी पौधों का वितरण

साहिबगंजः उद्यान विभाग द्वारा अभिसरण के तहत वित्तीय वर्ष 2024 -25 राज्य बागवानी मिशन एवं उद्यान विकास योजना अंतर्गत स्ट्रॉबेरी पौधों का वितरण उद्यान मित्र बगवान मित्र जेएसएलपीएस प्रवाह एन जी ओ व ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा चयनित कृषकों के बीच जिला के बरहेट पतना, बरहरवा उधवा राजमहल बोरिया व मंडरो प्रखंड में बरहेट प्रमुख बर्नार्ड मरांडी के हाथों द्वारा किया गया।बताया गया कि स्ट्रॉबेरी एक पौष्टिक गुणों से युक्त फल है। और इसका उत्पादन करके हमारे जिले के किसान अपना जीवन को सवार सकते हैं और आने वाले दिनों में हमारे जिले के साथ-साथ पूरे झारखंड का नाम भी बागवानी के क्षेत्र में रौशन करेंगे।इस पर उद्यान विभाग प्रेम पासवान,जेएसएलपीएस राहुल कुमार, अमित,राजकुमार एवं कुंदन, प्रवाह एन जी ओ से शंकर महतो, ग्रामीण विकास ट्रस्ट से स्वीटी मित्रा ,उद्यान मित्र मंटू रजक सत्यनारायण चौरसिया, बगवान मित्र बाबूजी सोरेन, राजेंद्र शाह, जीतन रविदास, डब्लू गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

केंद्र में आने वाले मरीजों को समय पर इलाज नही : विभाग मौन

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड क्षेत्र के तेतरिया आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र में लगभग तीन महीना से सीएचओ सुमित्रा बेब नहीं आने के कारण स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। इससे मरीजों को भारी परेशानी होती है। इलाज नहीं मिल पाने के कारण मरीजों को अपना इलाज प्राइवेट चिकित्सकों से झोलाछाप डाक्टर से कराना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने और जन जन तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए सरकार हर प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ रहने के बाद लोगों को आहार व्यायाम और बीमारी की रोकथाम जैसे स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर निर्देश सलाह देते हैं। इतनी जिम्मेदारी पद पर होने के बावजूद उप स्वास्थ्य केन्द्र पर सीएचओ कई महीनो से गायब है। एएनएम आरआई करने के लिए क्षेत्र में जाती है। आए हुए मरीजों को दवाई देने के लिए कोई नहीं रहता है। तेतरिया आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र चारों और बाउंड्री नहीं रहने से डिलीवरी पेशेंट को काफी समस्या होती है। इस संबंध में बोरीयो चिकित्सा प्रभारी सल्खु चंद्र हासदा से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो फोन नहीं उठाया आखिर मरीज जाए तो जाए कहाँ यह बात सोचने वाली है ।

रेल यात्री सुविधा बढ़ाने की मांग को लेकर आजसू नेता ने गिरिडीह सांसद को लिखा पत्र

साहिबगंजः गिरिडीह के सांसद को एक पत्र के माध्यम से आजसू बड़हरवा के प्रखंड सचिव प्रणव कुमार साहा ने रामपुरहाट-साहिबगंज रेलखंड में यात्री सुविधाओं की बहाली की मांग की है।कोरोना काल के बाद से कई लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन बंद रहने से यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पत्र में बताया गया है। कि रामपुरहाट से साहिबगंज-मालदा रेलखंड पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन नहीं हो रहा है।जिनमें प्रमुख रूप से 53137/38,53417/18, 53043/44 और 13133/34 सियालदाह-वाराणसी एक्सप्रेस शामिल हैं।इन ट्रेनों के संचालन की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि यात्रियों को सुगम और सस्ती यात्रा का विकल्प मिल सके।इसके साथ ही प्रणव कुमार साहा ने हावड़ा के लिए वैकल्पिक ट्रेनों के ठहराव की भी मांग की है।उन्होंने हावड़ा गया एक्सप्रेस 13023/24 हावड़ा साहिबगंज इंटरसिटी 13427/28 का ठहराव कोटालपोखर रेलवे स्टेशन पर और हावड़ा मालदा इंटरसिटी 13011/12 का ठहराव गुमानी स्टेशन पर सुनिश्चित करने की अपील की है।साहा ने कहा कि इन मांगों को माननीय रेल मंत्री के ध्यान में लाने की आवश्यकता है।ताकि क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें।उन्होंने आशा जताई कि सांसद और रेल मंत्रालय इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर शीघ्र निर्णय लेंगे।

मुख्य रेल फाटक बंद होने से लोग नाराज,लोगो ने जताया विरोध

साहिबगंज/बरहरवाःमालदा रेल मंडल अंतर्गत बरहरवा पूर्वी रेल फाटक को विभागीय आदेशानुसार 17 दिसंबर मंगलवार से हमेशा के लिए बंद कर दिया गया।परन्तु रेलवे के इस कार्यवाही से स्थानीय लोगों की समस्या बढ़ती नजर आई।क्यों कि फाटक शहर को दो भागों में बाटती है। कुल मिलाकर लोगों लिए अतिआवश्यक सड़को में से एक है।वहीं रेल फाटक के बंद होने से स्थानीय शहर वासियों ने रेल प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई,शहर के सैकड़ों लोग रेल फाटक पहुंच रेल प्रशासन से फाटक बंद ना करने की बात करते हुए कहा रेल फाटक के एक ओर बरहरवा थाना,उच्च विद्यालय,डाकघर सहित कई सरकारी संस्थान है।तो वहीं दूसरी ओर प्रखंड कार्यालय स्वास्थ्य केंद्र महाविद्यालय,शहर का मुख्य बाजार पर्यटक स्थल मां विंध्यवासिनी मंदिर सहित अन्य संस्थान है।जहां प्रत्येक दिन हजारों लोगों का आवागमन होता है।ऐसे में एक-दूसरे छोड़ को जोड़ें रखने का शहर के बीचों-बीच एक मात्र सड़क रेल फाटक था,जो वर्षों से छोटे बड़े वाहनों का परिचालन हो या लोगों का आगमन इसी मुख्य रास्ते से होते आया है।मौके पर नहीं पहुँचे सांसद या बिधायक लोग नाराज बरहरवा रेल फाटक के इस जटिल समस्या से जहाँ लोग परेशान होते नजर आये वहीं इस कार्यवाही को रोकने और इस समस्या से निजात दिलाने हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधि सांसद या विद्यायक के मौके पर नहीं पहुँचने से लोगों ने नाराजगी व्यक्त की है।स्थानीय लोगों का कहना है। कि बरहरवा रेल फाटक अगर हमेशा के लिए अवरुध्द हो जाती है तो स्थानीय नगरवासियों को गम्भीर समस्याओं से जूझना पड़ेगा रेलवे के इस कार्यवाही से निपटने के लिए जनप्रतिनिधियों को आगे आकर रेलवे अधिकारियों से वातार्लाप कर इस पर विचार विमर्श करने की आवश्यकता थी जो नहीं हुई ?जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी है।वहीं समस्या का समाधान नहीं होने पर नगरवासी जल्द विरोध प्रदर्शन की बात कह रहे है।

दुमका में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दिया बयान, कहा

केंद्र सरकार से लेकर रहेंगे झारखंड का बकाया

दुमकाः झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दुमका में ईटीवी भारत से बातचीत में कई ज्वलंत मद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने वन नेशन-वन इलेक्शन मुद्दे पर कहा कि भाजपा अपना एजेंडा सेट करना चाहती है। मंत्री दीपिका ने कहा कि भाजपा हिंदू राष्ट्र की बात कहती है, पर बांग्लादेश में जो हिन्दू भाई-बहनों के साथ हिंसा की घटना हो रही है उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है उसपर केंद्र सरकार चुप्पी साधे बैठी हैं।

झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आगे कहा कि आयरन लेडी इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण में अपनी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, पर आज जब वहां की स्थिति खराब है तो वर्तमान केंद्र सरकार को कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि वे हमारे पड़ोसी हैं। आज उनकी परेशानी में हम खड़े नहीं रहेंगे तो कल हमें कोई समस्या आती है तो हमारा साथ कौन देगा। सरकार को इस पर बात करनी चाहिए, ताकि वहां के अल्पसंख्यक हिंदू हो या फिर ईसाई धर्मावलंबी सभी लोग सुरक्षित रह सकें।

पड़ोसी देशों से डिप्लोमेटिक एक्टिविटी बंद : दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आज पड़ोसी देशों के साथ डिप्लोमेटिक एक्टिविटी बंद कर दी गई है। एक तरफ चीन तो दूसरी तरफ पाकिस्तान आज हमें आंख दिखा रहा है। श्रीलंका की हालत खराब है, पर केंद्र की सरकार को कोई मतलब नहीं है।

केंद्र से झारखंड का बकाया लेकर रहेंगेः दीपिका ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने झारखंड का बकाया देने से इनकार कर दिया है, पर हमलोग छोड़ने वाले नहीं है। बकाया लेने के लिए कोर्ट जाना पड़े या फिर आंदोलन करना पड़े, हम केंद्र सरकार से अपना बकाया लेकर रहेंगे। यह राशि जनहित में खर्च होनी है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के मामले में हमने जानकारी ली है। मामला लॉ एंड ऑर्डर से जुड़ा है। हम लोग अहिंसा के समर्थक हैं। छात्रों के हित में हम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बात करेंगे।

विभागीय पदाधिकारियों संग मंत्री ने की बैठक : झारखंड की ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मंगलवार को विभागीय पदाधिकारियों संग दुमका परिसदन में बैठक की। इस दौरान मंत्री ने योजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। साथ ही आगे का रोड मैप तैयार करने का निर्देश दिया। मौके पर दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार जनहित से जुड़ी योजनाओं को जमीन पर उतार रही है। लोगों को कैसे पर्याप्त सुविधा दी जाए इस पर हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हम लोग ग्रामीण स्तर पर स्थापित पंचायत सचिवालय को ज्यादा से ज्यादा मजबूत करेंगे, ताकि निचले स्तर से ही लोगों को सरकार की सारी योजनाओं का लाभ दिया जा सके।

यामी गौतम ने पति, बेटा व संजय दत्त के साथ स्वर्ण मंदिर में माथा टेका

निर्देशक आदित्य धर की आने वाली फिल्म में अभिनेता संजय दत्त मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसी बीच आदित्य धर और उनकी पत्नी यामी गौतम अपने बेटे वेदविद के साथ अमृतसर की स्वर्ण मंदिर पहुंचे। उनके साथ अभिनेता संजय दत्त भी थे। स्वर्ण मंदिर परिसर में इन तीनों को एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने पहुंची यामी गौतम के सिर पर सफेद दुपट्टा था और आदित्य ने शॉल ओढ़ा हुआ है। उनके साथ संजय दत्त भी कूल लुक में नजर आ रहे हैं। इन तीनों का फोटो अब वायरल हो रहा है। स्वर्ण मंदिर में जाने से पहले संजय दत्त ने पंजाब के मंत्री कुलदीप धालीवाल से भी मुलाकात की थी। अभी कुछ दिन पहले आदित्य धर ने रणवीर सिंह के साथ मंदिर में दर्शन किये थे। रणवीर ने भी अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। दरअसल, अभिनेता रणवीर सिंह और संजय दत्त निर्देशक आदित्य धर की एक फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। इसमें आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल भी दिखेंगे। यह फिल्म भारतीय खुफिया एजेंसी 'रॉ' के इतिहास की किताबों की कुछ आश्चर्यजनक घटनाओं पर आधारित है।

भारत को बड़ा झटका, 'लापता लेडीज' ऑस्कर की रेस से बाहर

किरण राव की 'लापता लेडीज' को भारत में दर्शकों और समीक्षकों ने खूब पसंद किया था, लेकिन यह फिल्म ऑस्कर की रेस से बाहर हो गई है। इसे भारत की ओर से ऑस्कर के लिए आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में भेजा गया था। ऐसे में भारत की 'लापता लेडीज' को ऑस्कर मिलने की उम्मीद खत्म हो गई है।

'लापता लेडीज' ऑस्कर में इस श्रेणी में चुनी गई 15 फिल्मों की सूची में जगह नहीं बना सकी। अब इन शीर्ष 15 फिल्मों में से पांच को ऑस्कर के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और उनमें से एक पुरस्कार जीतेगी। ब्रिटिश-भारतीय हिंदी फिल्म 'संतोष' ने 15 फिल्मों की सूची में जगह बनाई है, लेकिन ये फिल्म ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व करेगी।

ठीक वैसे ही जैसे भारत ने 'लापता लेडीज' को चुना। इसी के तहत यूके ने फिल्म 'संतोष' को चुना। इस फिल्म का निर्देशन संध्या सूरी ने किया है। यह फिल्म हिंदी भाषा में शूट की गई है। इसमें शहाना गोस्वामी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में सुनीता राजवार, संजय बिश्नोई, कुशल दुबे और अन्य कलाकारों ने सहायक भूमिका निभाई हैं।

'लापता लेडीज' 29 फिल्मों में से चुनी गई

97वें अकादमी पुरस्कार यानी 'ऑस्कर 2025' के लिए भारत से 'लापता लेडीज' को चुना गया था। भारत ने फिल्म 'लापता लेडीज' को सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय (विदेशी) फिल्म श्रेणी के लिए भेजा था। फिल्म फेडरेशन की ओर से लापता लेडीज समेत कुल 29 फिल्में भेजी गईं। कमेटी ने रणबीर कपूर की 'एनिमल', कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन', प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी', मलयालम फिल्म 'अट्टम', राजकुमार राव की 'श्रीकांत' समेत 29 फिल्मों में से 'लापता लेडीज' को चुना। फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम, रवि किशन और गीता अग्रवाल शर्मा ने अहम भूमिकाएं निभाईं हैं।

'अनुजा' को शॉर्टलिस्ट किया गया

हालांकि, 'लापता लेडीज' ऑस्कर की दौड़ से बाहर हो गई है, लेकिन गुनीत मोंगा कपूर की लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म 'अनुजा' को शॉर्टलिस्ट कर लिया गया है। यह लघु फिल्म कपड़ा उद्योग में बाल श्रम के मुद्दे पर चर्चा करती है। इसमें नागेश भोसले समेत कई कलाकार हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

एजेंसी

ब्रिसबेन। लगातार रूक रूक कर हो रही बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी 89/7 पर पारी घोषित करने और भारत को 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में भारतीय टीम बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिये थे तभी बारिश शुरू हो गई। काफी देर इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं रूकी तो मैच को समाप्त घोषित कर दिया गया, परिणाम स्वरूप मैच ड्रा हो गया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर है।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 185 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन बनाकर घोषित की

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरूआत खराब रही और केवल 33 रनों पर उस्मान ख्वाजा (08), मार्नश लाबुशेन (01), नाथन मेकस्विनी (04) मिचेल मॉर्श (02) और स्टीव स्मिथ (04) पवेलियन लौट गए।

यहां से ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। 60 के कुल स्कोर पर सिराज ने हेड (17) को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। पैट कमिंस ने 10 गेंदों पर 20 रनों की तेज पारी खेली। 85 के कुल स्कोर पर बुमराह ने उन्हें आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। बुमराह का यह ओवर समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 89 के कुल स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत के लिए जसप्रीत बुराह ने 3, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए

इससे पहले आज पांचवें दिन आज भारत ने अपने कल के स्कोर 252 रन पर 9 विकेट से आगे खेलना शुरू किया। भारतीय आखिरी जोड़ी आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह कल के स्कोर में 8 रन और जोड़े। 260 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड की गेंद पर आकाशदीप स्टंप आउट हुए। आकाशदीप ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए, वहीं बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और ट्रैविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए।

भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रिसबेन। भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के समापन के बाद तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। ब्रिसबेन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अश्विन ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रारूपों में भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के रूप में मुझमें अभी भी कुछ दमखम बाकी है, लेकिन मैं इसे व्यक्त करना चाहता हूं, क्लब स्तर के क्रिकेट में इसका प्रदर्शन करना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, मैंने खूब मौज-मस्ती की। मैंने रोहित [शर्मा] और अपने कई साथियों के साथ बहुत सारी यादें बनाई हैं, भले ही हमने पिछले कुछ सालों में उनमें से कुछ को [रिटायरमेंट के कारण] खो दिया हो। हम ओ.जी. के आखिरी समूह हैं, हम ऐसा कह सकते हैं। मैं इसे इस स्तर पर खेलने की अपनी तारीख के रूप में चिह्नित करूंगा। जाहिर है कि बहुत से लोगों को धन्यवाद देना है, लेकिन अगर मैं बीसीसीआई और साथी टीम के साथियों को धन्यवाद नहीं देता तो मैं अपने कर्तव्यों में विफल हो जाऊंगा।

अश्विन ने 106 टेस्ट में 24 की औसत से 537 विकेट लेकर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपना टेस्ट करियर समाप्त किया, जो केवल अनिल कुंबले से पीछे है, जिन्होंने 132 टेस्ट में 619 विकेट लिए।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चल रही सीरीज के पहले तीन टेस्ट में से सिर्फ.एक खेला, एडिलेड में दिन-रात के मुकाबले में उन्होंने 53 रन देकर 1 विकेट लिया। पिछली सीरीज में, न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 3-0 की हार में, अश्विन ने 41.22 की औसत से सिर्फ.नौ विकेट लिए थे। भारत के विदेशी मुकाबलों में नियमित रूप से कमें शामिल न होने और उनकी अगली टेस्ट सीरीज इंग्लैंड के विदेशी दौरे पर होने के कारण, भारत के अगले घरेलू सीजन तक अश्विन 39 साल के हो जाएँगे। अपने विकेटों के अलावा, अश्विन ने छह शतकों और 14 अर्द्धशतकों के साथ 3503 टेस्ट रन भी बनाए, जिसमें छह शतक और 14 अर्द्धशतक शामिल हैं। वह एक ही टेस्ट में सबसे अधिक बार (4) शतक और पांच विकेट लेने का भारतीय रिकॉर्ड रखते हैं, जो केवल इयान बॉथम (5) से पीछे है। वह 3000 से ज्यादा रन और 300 विकेट लेने वाले 11 ऑलराउंडरों में से एक बन गए। उन्होंने मुथैया मुरलीधरन के बराबर रिकॉर्ड 11 प्लेयर-ऑफ-द-सीरीज पुरस्कार भी जीते।

अश्विन ने भारत के लिए 116 वनडे और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने क्रमशः 156 और 72 विकेट लिए, इसके अलावा वनडे में एक अर्धशतक सहित उन्होंने 707 रन बनाए हैं, जिसमें 65 उनका सर्वाधिक स्कोर है। वहीं, टी-20 में उन्होंने 184 रन बनाए हैं। लेकिन यह लाल गेंद का प्रारूप था, जिसमें वह भारत के सबसे महान मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे। टेस्ट क्रिकेट में उनके द्वारा लिए गए 37 पांच विकेटों की संख्या शेन वार्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है, और केवल श्रीलंकाई मुरलीधरन के 67 के टैली से पीछे है। अपने संन्यास के समय, अश्विन के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक (268) बाएं हाथ के बल्लेबाजों को आउट करने का रिकॉर्ड है।

कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था : राफेल नडाल

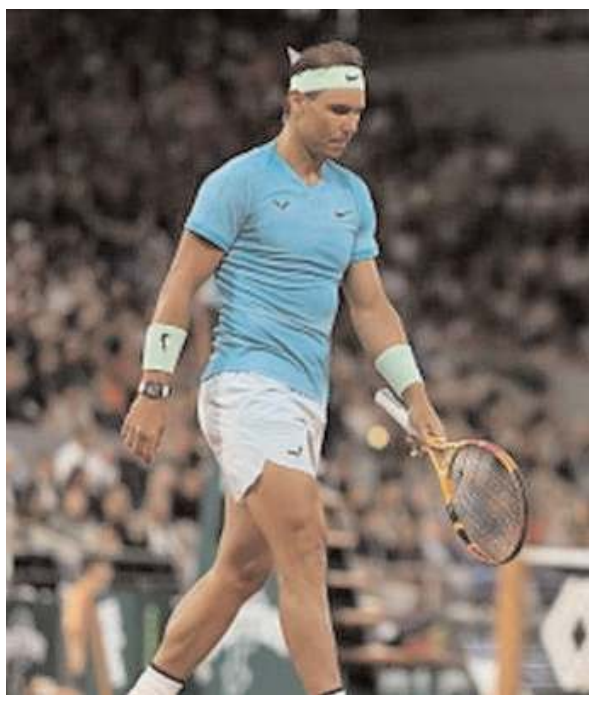

एजेंसी

नई दिल्ली। राफेल नडाल ने कुछ साल पहले टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य के कारण ब्रेक लेने के बारे में सोचा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने मंगलवार को एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए उक्त खुलासा किया। नडाल ने द प्लेयर्स ट्रिब्यून पर कहा, ाशारीरिक दर्द से मैं बहुत अभ्यस्त था, लेकिन कोर्ट पर ऐसे समय भी'आए जब मुझे अपनी सांसों को नियंत्रित करने में परेशानी हुई और मैं उच्चतम स्तर पर नहीं खेल पाया। मुझे अब यह कहने में कोई परेशानी नहीं है। आखिरकार, हम इंसान हैं, सुपरहीरो नहीं। शुक्र है, मैं चिंता जैसी चीजों को नियंत्रित करने में असमर्थ होने की स्थिति में नहीं पहुंचा, लेकिन हर खिलाड़ी के साथ ऐसे क्षण आते हैं जब अपने दिमाग को नियंत्रित करना मुश्किल होता है और जब ऐसा होता है तो अपने खेल पर पूरा नियंत्रण रखना मुश्किल होता है।' उन्होंने कहा, 'ऐसे कई महीने थे जब मैंने अपने दिमाग को साफ करने के लिए टेनिस से पूरी तरह से ब्रेक लेने के बारे में सोचा। अंत में, मैंने बेहतर होने के लिए हर दिन इस पर काम किया।' 38 वर्षीय नडाल ने नवंबर में स्पेन के लिए डेविस कप खेलने के बाद संन्यास ले लिया था। इससे पहले दो सत्र चोटों से भरे रहे थे, जिसके कारण वे बहुत कम ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे। पोस्ट में उन्होंने अपने बाएं पैर में पुराने दर्द के बारे में लिखा, जो पहली बार तब सामने आया जब वह 17 साल के थे और कहा कि तब उन्हें बताया गया था कि वह शायद फिर कभी पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने घर पर कई दिन रोते हुए बिताए, लेकिन यह विनम्रता का एक बड़ा सबक था, और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास एक पिता थे - मेरे जीवन में उनका वास्तविक प्रभाव - जो हमेशा बहुत सकारात्मक थे।' नडाल ने फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 चैंपियनशिप जीतीं। उन्होंने मैचों से पहले घबराहट और अपने करियर के कुछ मुख्य अंशों का उल्लेख किया, और कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मेरी विरासत यह होगी कि मैंने हमेशा दूसरों के साथ गहरे सम्मान के साथ व्यवहार करने की कोशिश की। यह मेरे माता-पिता का सुनहरा नियम था।'

ईडन गार्डन्स में दो महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड्स का नामकरण

एजेंसी

कोलकाता। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने मंगलवार को ईडन गार्डन्स के दो दर्शक स्टैंड्स का नामकरण दो महान हस्तियों के नाम पर करने की घोषणा की। यह स्टैंड्स भारतीय सेना के वीर अधिकारी कर्नल एन.जे. नायर और भारत की पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी झूलन गोस्वामी के नाम पर रखे गए हैं। यह सम्मान इन दोनों के अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सलाम करने के लिए दिया गया है।

कर्नल एन.जे. नायर का योगदान

कर्नल एन.जे. नायर, जिन्हें 'एनजे' के नाम से जाना जाता है, भारतीय सेना के एक उत्कृष्ट अधिकारी थे। वे अकेले ऐसे सैनिक थे जिन्हें भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र और दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कर्नल नायर की वीरता और राष्ट्र सेवा को यह सम्मान देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

झूलन गोस्वामी की क्रिकेट में उपलब्धियां

झूलन गोस्वामी ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट (जो विश्व रिकॉर्ड है) और 68 टी-20 मैचों में 56 विकेट झटके। क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी इन उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया।

सीएबी अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हम इन दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, को सम्मानित कर रहे हैं। यह शाम हम सभी के लिए उनके साहस और उपलब्धियों को सलाम करने का एक मौका है।

झूलन गोस्वामी की प्रतिक्रिया

झूलन गोस्वामी ने इस सम्मान को अपने जीवन का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखा जाएगा। भारतीय टीम के लिए खेलना मेरा सौभाग्य था, लेकिन यह सम्मान मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष और अपने पूरे क्रिकेट करियर में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कर्नल नायर के बेटे ने जताया आभार

कार्यक्रम में कर्नल नायर के बेटे, शिवन जे. नायर, को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सीएबी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे पिता को यह सम्मान दिया।'

सौरव गांगुली ने सराहा

कार्यक्रम में पूर्व बीसीसीआई और सीएबी अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा, 'आज का दिन खास है क्योंकि हमने दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, के नाम पर स्टैंड्स का नाम रखा। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है।'

स्कॉट बोर्थविक की जगह डरहम के कप्तान बने एलेक्स लीस

एजेंसी

डरहम। एलेक्स लीस को डरहम क्रिकेट क्लब का कप्तान नियुक्त किया गया है और उन्होंने अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह कम से कम अगले तीन सत्रों तक क्लब में बने रहेंगे। 2022 में इंग्लैंड के लिए 10 टेस्ट खेलने वाले लीस ने पिछले सीजन में डरहम को टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था और पिछले दो वर्षों से उनकी व्हाइट-बॉल टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अब वह काउंटी चैंपियनशिप में भी स्कॉट बोर्थविक की जगह लेंगे, जो अपने करियर के अंत के करीब पहुंचने के साथ ही खिलाड़ी-कोच की भूमिका में आ रहे हैं। हैलिफैक्स में जन्मे लीस को भविष्य में टेस्ट में नियमित खिलाड़ी माना जा रहा था, जब उन्होंने यॉर्कशायर में 22 साल की उम्र में टी20 टीम की कप्तानी की थी। लेकिन जेसन गिलेस्पी के कोच पद से हटने और 2018 में डरहम में जाने के बाद उन्हें फॉर्म में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कैरिबियन में अपनी पहली सीरीज में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उन्हें बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड के पहले घरेलू समर के लिए बरकरार रखा गया, लेकिन अंततः 19 पारियों में दो अर्द्धशतक और 23.84 की औसत के रिकॉर्ड के साथ उन्हें बाहर कर दिया गया। वह तब से डरहम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले दो सीजन में नौ चैंपियनशिप शतक बनाए हैं। लीस ने क्लब के एक बयान में कहा, डरहम में नए पुरुष क्लब कप्तान के रूप में नामित होने पर मुझे खुशी है। उत्तर पूर्व में जाना मेरे लिए अच्छा रहा है, इसलिए अब मुझे डरहम की कप्तानी करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। मेरा मानना ??है कि इस टीम में आगे बढ़ने और ट्रॉफी जीतने की क्षमता है। हमारे पास यहाँ बहुत से बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का समूह है जो वास्तव में चुनौती दे सकते हैं और कुछ जीतने की कोशिश कर सकते हैं। डरहम की कप्तानी करने का यह अवसर मुझे रेड-बॉल टीम पर कुछ वास्तविक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है, जो हमने पिछले कुछ वर्षों में बनाई है। डरहम के क्रिकेट निदेशक मार्कस नॉर्थ ने कहा कि वह खुश हैं कि लीस ने अपने अनुबंध के विस्तार पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की है, जो 2025 सत्र के अंत में समाप्त होने वाला था। उन्होंने कहा, एलेक्स का क्लब के प्रति समर्पण, जुनून और महत्वाकांक्षाएं 2018 में उनके आगमन के बाद से ही स्पष्ट हैं। वह टीम में एक लोकप्रिय और सम्मानित व्यक्ति हैं जो दृढ़ता के साथ नेतृत्व करते हैं। डरहम ने 2025 के लिए अपने शीर्ष क्रम को मजबूत किया है, जिसमें विल रोड्स और एमिलियो गे क्रमशः वारविकशायर और नॉर्थम्पटनशायर से शामिल हुए हैं। सैम कोनर्स, जो इंग्लैंड लायंस के लिए खेल चुके हैं, भी डबीर्शायर से शामिल हुए हैं और उनके सीम अटैक में गहराई लाएंगे।

पश्चिम बंगाल में बढ़ रही है ठंड

कोलकाता और अन्य जिलों में हल्के कुहासे की संभावना

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के अन्य जिलों में ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। हालांकि मौसम विभाग ने बुधवार को बताया है कि अगले 24 घंटों के दौरान मौसम सामान्य रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कोलकाता में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और सुबह के समय हल्का कुहासा छा सकता है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। कोलकाता में पिछले 24 घंटों में बारिश नहीं हुई है। यहां अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 47 प्रतिशत दर्ज की गई। दक्षिण बंगाल के जिलों, जैसे हावड़ा, हुगली, नदिया और उत्तर 24 परगना में भी सुबह के समय हल्के कुहासे की संभावना है। इन क्षेत्रों में दिनभर मौसम सामान्य रहेगा और ठंड का असर बना रहेगा। उत्तर बंगाल के जिलों, जैसे दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में ठंड का प्रभाव जारी है। इन इलाकों में सुबह और रात के समय ठंड अधिक महसूस की जा सकती है। पश्चिम बंगाल के किसी भी क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश दर्ज नहीं की गई है। पूरे राज्य में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने फिलहाल किसी बड़े बदलाव की संभावना से इनकार किया है। सप्ताहांत तक तापमान में और गिरावट की संभावना है।

बांग्लादेश में तब्लीगी जमात के आयोजन स्थल पर हिंसा, दो की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में तब्लीगी जमात के प्रमुख आयोजन स्थल टोंगी इज्तेमा मैदान में नियंत्रण के लिए आज तड़के करीब 03 बजे दो मुस्लिम धर्मगुरुओं मौलाना साद और मौलाना जुबैर के समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। इसके बाद तनाव फैल गया। पूरे क्षेत्र में पुलिस और सशस्त्र बल के जवानों को तैनात किया गया है।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, हिंसा में जान गंवाने वाले बच्चू मिया (70) और बेलाल हुसैन (60) मौलाना जुबैर गुट के हैं। बच्चू किशोरगंज के पाकुंडिया उपजिला और बेलाल ढाका के दक्षिणखान से तब्लीगी जमात में शामिल होने आए थे। दोनों की मौत से गुस्साए तब्लीगी जमात के मौलाना जुबैर गुट के समर्थकों ने प्रदर्शन करते हुए सुबह 10 बजे गाजीपुर में ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने टोंगी इज्तेमा मैदान उनके इज्तेमा को सौंपने और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की। श्रीपुर पुलिस थाना प्रभारी खंडाकर जैनल आबेदीन मंडल ने कहा कि प्रदर्शनकारी दोपहर को वापस चले गए।

न्यूज IN ब्रीफ

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी एवं अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर मानव श्रृंखला

अररिया। फारबिसगंज प्रखंड के तिरसकुण्ड पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में बुधवार को संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस एवं अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया गया इस मौके पर स्कूली बच्चों के द्वारा मानव श्रृंखला बनाया गया।

मौके पर स्कूल के प्रधान शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि वसुदेव कुटुंबकम हमारी संस्कृति का अभिनंदन है।अल्पसंख्यक अधिकार को लेके उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस हर वर्ष 18 दिसंबर को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 18 दिसंबर 1992 को भारत सरकार ने की थी। भारत में मुस्लिम,ईसाई, सिख,बौद्ध,जैन,पारसी और जिस भी क्षेत्र में कोई अल्पसंख्यक हो उसके अधिकार एवं सुरक्षा को लेकर दिवस मनाया जाता है।उद्देश्य अल्पसंख्यकों को अधिकारों की सुरक्षा और विकास है। भारतीय संविधान में आर्टिकल 29 और 30 इन अधिकारों की रक्षा करते हैं। इस अवसर पर पूर्व स्वयं सेवक चार्ल्स किस्कू,आंगनबाड़ी सेविका मीना टुडू ,सहायिका शनिचरी देवी, रसोईया लुखी देवी, आरती देवी, ललिता कुमारी एवं सैकड़ो बच्चे उपस्थित थे ।

माता की मठ जा रही बस पलटी, नौ यात्री घायल

मोरबी। मोरबी जिले के मालिया-अहमदाबाद हाइवे पर मंगलवार देर रात यात्रियों से भरी एक लक्जरी बस पलट गई। इस हादसे में बस सवार 56 यात्रियों में नौ यात्री घायल हो गए। आठ घायलों को मोरबी में भर्ती कराया गया है, जबकि एक घायल को राजकोट हॉस्पिटल भेजा गया है। गांधीनगर के पोर गांव से बस में सवार 56 यात्री कच्छ, भुज, अंजार और माता के मठ का दर्शन करने जा रहे थे। मोरबी जिले के मालिया-अहमदाबाद हाइवे पर बीती देर रात बस के आगे नीलगाय आ गई। इससे चालक स्टेयरिंग से संतुलन खो बैठा और बस पलट गई। इस हादसे में बस में सभी यात्रियों में नौ लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर हलवद थाना पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हलवद तहसील के देवलिया गांव के पास से अहमदाबाद-मालिया हाइवे रोड पर लक्जरी बस पलटने की घटना हुई। घायलों में दिवाबेन (65), बाबूभाई (60), शरदा देवी ठाकुर (60), मंगुबेन (60), रहीबेन (57), फूलीबेन (55), बाजाजी ठाकुर (80), राजेशभाई पटेल (45), मंजूबेन (65) का नाम शामिल हैं। इनमें फूलीबेन को राजकोट हॉस्पिटल रेफर किया गया है। हलवद पुलिस ने मामले की प्रथमिकी दर्ज की है।

मकोका मामले के दो आरोपितों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान के खिलाफ दर्ज मकोका के मामले की द्वारका कोर्ट से राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर करने की दिल्ली पुलिस की मांग पर सुनवाई करते हुए तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि वो दो अन्य आरोपितों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश कराएं। जस्टिस मनोज कुमार ओहरी की बेंच ने आज ये आदेश तब दिया जब न तो दोनों आरोपित कोर्ट में पेश हुए और न उनकी ओर से कोई वकील पेश हुआ। इस मामले में तीसरा आरोपित रितिक ऊर्फ पीटर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ और कोर्ट से कहा कि अगर इस मामले को राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित एमपी-एलएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाता है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में बाकी दोनों आरोपितों को नोटिस तामील हो चुका है, लेकिन कोई उपस्थित नहीं हुआ। इसलिए, जेल प्रशासन उन्हें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश करे। कोर्ट ने रोहित ऊर्फ अन्ना और सचिन चिकारा को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश होने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने इस मामले के तीनों आरोपितों को नोटिस जारी किया था। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील लक्ष्य खन्ना ने कहा था कि इस मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों के खिलाफ द्वारका कोर्ट में मामला चल रहा है। इस मामले में आम आदमी पार्टी के उत्तम नगर से विधायक नरेश बाल्यान भी आरोपित हैं। नरेश बाल्यान से जुड़े मामले की सुनवाई राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थिति एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही है लेकिन बाकी तीन आरोपितों से जुड़े मामलों की सुनवाई द्वारका की मकोका कोर्ट में हो रही है। एक ही एफआईआर में दो कोर्ट में कार्यवाही नहीं चल सकती है, इसलिए सभी आरोपितों से जुड़े मामलों की सुनवाई राऊज एवेन्यू कोर्ट के एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दी जाए। मकोका के मामले में बाल्यान के अलावा रितिक ऊर्फ पीटर, रोहित ऊर्फ अन्ना और सचिन चिकारा के खिलाफ मामला चल रहा है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 13 दिसंबर को मकोका के मामले में गिरफ्तार विधायक नरेश बाल्यान को 9 जनवरी, 2025 तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। बाल्यान को 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने 4 दिसंबर को वसूली के मामले में बाल्यान को जमानत दे दी थी। जमानत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने बाल्यान को मकोका के मामले में गिरफ्तार कर लिया था। दिल्ली पुलिस ने वसूली के मामले में बाल्यान को 30 नवंबर की रात में गिरफ्तार किया था। इससे पहले भाजपा ने बाल्यान की एक ऑडियो क्लिप जारी की थी, जिसमें गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और बाल्यान के बीच बातचीत थी। इस क्लिप को शेयर करते हुए भाजपा ने बाल्यान पर वसूली का आरोप लगाया था। इसी ऑडियो क्लिप के आने के बाद बाल्यान को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पूछताछ के लिए बुलाया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

किसानों - मजदूरों के शोषण मुक्ति आंदोलन के महान पुरोधा थे ज्वाला बाबू : चन्दन सिंह

नवादा। आजादी की लड़ाई में अपने जमाने के प्रखर व नवयुवकों को एक सूत्र में बांधकर चिनगारी फैलाने वाले स्वतंत्रता सेनानी ज्वाला प्रसाद सिंह की 44 वीं पूण्यतिथि बुधवार को समारोह पूर्वक मनाई गयी। ज्वाला बाबू की प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवादा के पूर्व सांसद चंदन सिंह ने कहा कि ज्वाला बाबू स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी थे उन्होंने किसान मजदूर के शोषण मुक्ति आंदोलन में भी माहिती भूमिका निभाई थी जिसके लिए समाज उन्हें सदा याद करते रहेगा। उन्होंने कहा कि आज ज्वाला बाबू जैसे नेता की समझ में बहुत जरूरत है ताकि शोषण मुक्त समाज की स्थापना हो सके । चंदन सिंह को ग्रामीणों ने स्वागत करते हुए उन्हें बेहतर सांसद बताया। उन्होंने कहा कि चंदन सिंह ने सांसद रहते या सांसद नहीं रहने के बाद भी जो दुख सुख में नवादा वासियों को हर समय साथ निभाया पैसा दूसरा कोई नेता नहीं हो सकता है। नगर परिषद के अध्यक्ष रेखा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ज्वाला बाबू के नाम से ही उनके कृत्यों को जाना जा सकता है। किसानों और मजदूरों को शोषण से मुक्ति दिलाने की लड़ाई में ज्वाला बाबू ने अह्म योगदान दिया थ।

'हर खेत तक सिंचाई का पानी' कार्यक्रम के तहत 1,49,029 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता होगी पुनर्स्थापित

एजेंसी

पटना। वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 के दौरान अब तक 981 योजनाओं-संरचनाओं का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें आहर-पइन की 723, चेक डैम की 62, और उदवह सिंचाई योजना की 196 योजनाएं शामिल हैं। इन प्रयासों से लगभग 1,49,029 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता पुनःस्थापित होगी और 38 लाख घन मीटर जल संचयन का पुनर्स्थापन होगा। लघु जल संसाधन विभाग इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दृढ़ संकल्पित है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है कि राज्य के सभी किसानों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाई जा सके। कुल 1,49,029 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता पुनर्स्थापित करने के लिए सात निश्चय-2 के अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा 'हर खेत तक सिंचाई का पानी' कार्यक्रम के तहत हर संभव माध्यम से हर खेत को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर जारी है। इस कार्यक्रम के तहत हर संभव माध्यम से हर खेत तक सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जाना है। 'हर खेत तक सिंचाई का पानी' कार्यक्रम के तहत लघु जल संसाधन विभाग को एक एकड़ रकबा से बड़े आहर-पईन का जीर्णोद्धार कार्य, 2000 हेक्टेयर तक कमाण्ड क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वीयर-चेक डैम (15 मीटर से ज्यादा लम्बाई) का निर्माण एवं उदवह सिंचाई योजना का जीर्णोद्धार कार्य के अतिरिक्त निजी नलकूप एवं डगवेल सिंचाई योजना कार्य के क्रियान्वयन का दायित्व है।

कांग्रेस ने वर्षों तक अंबेडकर और एससी-एसटी समुदाय को अपमानित किया : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस और उसका पारिस्थितिक तंत्र दुर्भावनापूर्ण झूठ से कई वर्षों के अपने कुकर्मों को छिपाने की कोशिश कर रहा है। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली पार्टी ने डॉ. अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी-एसटी समुदाय को अपमानित करने के लिए हर संभव गंदी चाल चली है।

गृहमंत्री अमित शाह के मंगलवार को राज्यसभा में दिए गए एक बयान को कांग्रेस ने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान बताया है। इसके चलते पार्टी के सदस्यों ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में हंगामा किया और कामकाज नहीं होने दिया। कांग्रेस के नेता देशभर में इसे मुद्दा बना रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने इसे कांग्रेस का झूठ करार देते हुए पलटवार करना शुरू कर दिया है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अब इस मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान करने और एससी-एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों से वे स्पष्ट रूप से स्तब्ध हैं, यही कारण है कि वे अब नाटकीयता में लिप्त हैं! दुख की बात है कि उनके लिए लोग सच्चाई जानते हैं।

चरणबद्ध एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस के पापों की सूची में कई विशेष शामिल हैं। डॉ. अंबेडकर को दो बार हराया गया, पंडित नेहरू ने उनके खिलाफ प्रचार किया और उनकी हार को प्रतिष्ठा का मुद्दा बनाया। उन्हें भारत रत्न देने से इनकार किया गया। उनके चित्र को सेंट्रल हॉल में गौरव का स्थान देने से इनकार किया गया। कांग्रेस कितनी भी कोशिश कर ले लेकिन वे इस बात से इनकार नहीं कर सकती की एसटी-एसटी समुदाय के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उसके शासनकाल में हुए। वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद भी उन्होंने इन समुदायों को सशक्त बनाने का कोई प्रयास नहीं किया।

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार डॉ अंबेडकर के दृष्टिकोण को पूरा करने का अथक प्रयास कर रही है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकलना एसटी-एसटी अधिनियम को मजबूत करना, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना और जितनी भी योजनाएं हैं उन्होंने गरीब और हाशिए पर गए लोगों के जीवन को प्रभावित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांच प्रतिष्ठित स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का काम किया है। दशकों से चैत्य भूमि की जमीन को लेकर मामला लंबित था। हमारी सरकार ने न केवल इस मुद्दे को सुलझाया, बल्कि ह्यमैं वहां प्रार्थना करने भी गया हूं।ह्ल हमने दिल्ली में 26, अलीपुर रोड का भी विकास किया है, जहां डॉ. अंबेडकर ने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। लंदन में वह जिस घर में रहते थे, उसे भी सरकार ने अधिग्रहित कर लिया है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद ने सीएम को टायर्ड और उनके आधिकारियों को कहा रिटायर्ड

अररिया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद कार्यकताओं के साथ दर्शन सह संवाद के क्रम में अपने चौथे चरण में अररिया में हैं। सर्किट हाउस में उन्होंने बुधवार को पत्रकार वार्ता की।इस मौके पर तेजस्वी प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यात्रा को लेकर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि पिछले चुनाव में मुख्यमंत्री ने पूर्णिया की सभा में हाथ जोड़कर अपनी अंतिम चुनाव की बात कही थी। अब मुख्यमंत्री थक चुके हैं। मुख्यमंत्री टायर्ड हैं तो उनके अधिकारी रिटायर्ड। ऐसे में वह अलविदा यात्रा पर निकल रहे हैं।

तेजस्वी ने कहा कि यात्रा के लिए 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपये खर्च कर संवाद स्थापित करने की आवश्यकता पर सवाल खड़ा करते हुए राशि को अधिकारियों द्वारा लूट बंदरबांट किए जाने की योजना बताई। वन नेशन वन इलेक्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संवैधानिक ढांचा को समाप्त करना चाहती है।

कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देने की धमकी, मामला दर्ज

मुंबई। ठाणे जिले में स्थित कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देने की धमकी अज्ञात व्यक्ति ने बीती रात उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन ने फोन कर दी है। इसके बाद पुलिस ने आज सुबह तक कल्याण रेलवे स्टेशन की चप्पे-चप्पे की तलाशी ली, लेकिन कहीं बम न मिलने से पुलिस ने राहत की सांस ली। इसके बाद उल्हासनगर सेट्रल पुलिस स्टेशन में बुधवार को अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की छानबीन जारी है। उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे ने बुधवार को बताया कि बीती रात अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस स्टेशन में फोन किया था, जिसे पुलिस कांस्टेबल गणेश सरजेराव मोरे ने रिसीव किया था। फोन करने वाले ने कहा कि मैं दिल्ली से बोल रहा हूं। कल्याण रेलवे स्टेशन पर बम लगाया गया है और वह कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देगा। इसके बाद सरजेराव ने इसकी सूचना वरिष्ठ स्तर पर दी और तत्काल बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड के जरिए कल्याण रेलवे स्टेशन पर बारीकी से करीब चार घंटे तलाशी ली गई, लेकिन कहीं बम नहीं मिला।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवाली के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में कुछ देर के लिए तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर बाजार ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सन फार्मास्युटिकल्स, सिप्ला, रिलायंस इंडस्ट्रीज और विप्रो के शेयर 2.07 प्रतिशत से लेकर 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, लार्सन एंड टूब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और अडाणी पोर्ट्स के शेयर 2.21 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,320 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,071 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,249 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 18.19 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,666.26 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान की स्थिति बन गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 80,868.02 अंक तक पहुंचा वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 80,313.02 अंक तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 473.88 अंक की गिरावट के साथ 80,363.57 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 38.05 अंक टूट कर 24,297.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,394.45 अंक तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये 24,229.85 अंक तक लुढ़क भी गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 94.15 अंक की कमजोरी के साथ 24,241.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 1,064.12 अंक यानी 1.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,684.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 332.25 अंक यानी 1.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,336 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

सुशासन सप्ताह, प्रशासन गांव की ओर अभियान को सफल बनाएं : डीडीसी

मेट्रो रेज

बोकारो : आगामी 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह (गुड गवर्नेंस वीक) का आयोजन किया जाना है। जिले में इसके सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। इस दौरान वीडियो संवाद (वीसी) के माध्यम से विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) एवं अंचल अधिकारी (सीओ)भी जुड़े रहें। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने कहा कि सरकार के निदेर्शानुसार 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जाना है। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम...आयोजित होंगे। कहा कि सुशासन सप्ताह मनाने का उदेश्य है कि आमजन की समस्याओं का तत्काल समाधान, ग्रामीणों को सरकार योजनाओं की जानकारी देना, अंतिम लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत जिले के सभी प्रखंडों और स्थानीय शहरी निकायों (नगर निगम चास/नगर पंचायत फुसरों)क्षेत्र में शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारियों को *सुशासन सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर सभी तैयारियां एवं व्यापक प्रचार-प्रसार करने* का निर्देश दिया। कहा कि शिविर में इस दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से चलाएं जा रहें विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जाएगी। इन शिविरों में राजस्व, समाज कल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) जिला स्तर एवं प्रखंड स्तर पर आवेदनों का निष्पादन शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग का निर्देश दिया। उधर, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने सामाजिक सुरक्षा के तहत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं* के लाभुकों का सत्यापन कार्य के प्रगति का भी समीक्षा किया। उन्होंने इस कार्य में तेजी लाने को कहा। सभी बीडीओ/सीओ को सत्यापन कार्य शत प्रतिशत 20 दिसम्बर 2024 तक पूरा करने का निर्देश दिया। जानकारी हो कि, जिले में सामाजिक सुरक्षा विभाग के तहत संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभुकों की संख्या कुल 2,26,692 है। जिनका सत्यापन किया जाना है। वहीं, प्रखंड/अंचल कार्यालय में संचालित आधार शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं छूटे हुए लोगों का आधार कार्ड बनाने, आधार में व्याप्त त्रुटि को दूर करने का निर्देश दिया। मौके पर सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा पियूष, डीआइओ धनंजय कुमार, युआइडी डीपीएम शैलेंद्र मिश्र व अन्य उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेम राज टोप्पो के योगदान से बेहतर शिक्षा का माहौल हुआ है तैयार

बिनय मिश्रा

अधिकारी अगर ठान लें कुछ करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ जुड़ जायें तो इसका परिणाम भी सार्थक आता है। जी हाँ! हम बात कर रहे हैं पश्चिम सिंहभूम जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेम राज टोप्पो की। प्रभारी डीईओ अभय कुमार सील के काफी समय तक इस पद पर रहने के फलस्वरूप शिक्षा व्यवस्था काफी चरमरा गई थी। उन्हें डीओ और डीएसई के प्रभार में रहने के फलस्वरूप इनके शिथिलता का खामियाजा विभाग को भुगतना पड़ा और शिक्षा व्यवस्था भी शिथिल हो गयी थी। इनका तबादला गुमला जिला हो जाने के पश्चात नवपदस्थापित डीईओ के रूप में श्री टोप्पो के योगदान देने के पश्चात शिक्षा व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ पठन-पाठन के प्रति शिक्षक भी पूर्णरूपेण जुट गयें। यही नहीं इनके बेहतर कार्य को देखते हुए तथा कुशल दक्षता के फलस्वरूप क्षेत्रीय शिक्षा पदाधिकारी का भी दायित्व इन्हें सौंपा गया है जो इनके बेहतर कार्यप्रणाली का सूचक है। ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर शिक्षा विभाग गौरवान्वित होता है और शिक्षा का बेहतर माहौल भी बनता है।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन

बानो : बानो थाना के प्रांगण में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके प्रखण्ड के विभिन्न गांवों से अपनी शिकायत लेकर पहुँचे ग्रामीण।मौके पर बानो अंचल इंसपेक्टर रामानुज वर्मा, थाना प्रभारी विकास कुमार ,एस आई सत्यनारायण प्रसाद आदि लोग उपस्थित थे।

गोलक बिहारी महतो के श्राद्धक्रम में पहुंच कर विधायक ने दी श्रद्धांजलि

बोकारो : बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने नाला विधायक सह विधानसभा के अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो के पिता स्व.गोलक बिहारी महतो के श्राद्धक्रम में पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।श्रीमती सिंह ने कहा कि पिता का स्थान को कोई नहीं ले सकता है इनकी कमी हमेशा खेलेगी।स्व.महतो नाला विधानसभा की जनता के लिए एक अभिभावक स्वरूप थे उनकी सेवा भाव से यहां की जनता परिचित थी उन्होंने हमेशा समाज के शोषित पीड़ित बुजुर्गों के हक की लड़ाई लड़ी है।

वर्तमान समय में इनके कार्यप्रणाली को हम सभी को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है तभी जाकर एक सकारात्मक समाज का निर्माण किया जा सकता है झारखंड में ऐसे विभूति का जाना अत्यंत ही दुखद है इस अवसर पर दुमका विधायक लुईस मरांडी एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गुमला में डायन बिसाही को लेकर महिला को निर्वस्त्र घुमाया गया

गुमला : जिले में पति की मौत के बाद ससुराल वालों के द्वारा अपनी बहू पर डायन बिसाही का आरोप लगाते हुए निर्वस्त्र कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद परिजनों के आवेदन के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस घटना में करीब 18 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, 15 दिसंबर को वृंदा नायकटोली में नहाने के दौरान कोलेबिरा निवासी संदीप लोहरा की डूबने से मौत हो गई थी।संदीप कुछ सालों से अपने ससुराल वृंदा नायकटोली में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था।संदीप की मौत के बाद जब उसकी पत्नी अपने पति का शव लेकर ससुराल कोलेबिरा पहुंची तो ससुराल के लोग और ग्रामीणों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं उसे निर्वस्त्र कर जमीन में दफनाने वाले थे तभी कोलेबिरा पुलिस को सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंची और पीड़िता व उसके मायके वालों को बचा लिया।

इधर, घटना के बाद पीड़िता और उसके मायके वाले गुमला सदर अस्पताल पहुंचे।जहां घायल पीड़िता का इलाज चल रहा है। पीड़ित महिला ने गुमला थाना में अपने ससुराल वालों और वहां के कुछ ग्रामीणों के खिलाफ आवेदन दिया है।जिसमें ससुराल पक्ष के लोगों समेत करीब 18 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है इस मामले पर थानेदार सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता द्वारा आवेदन दिया गया है। मामला दर्ज कर आगे की जांच चल रही है।यह घटना सिमडेगा जिला में हुई है, जिसकी वजह से वहां के पुलिस से भी संपर्क किया जाएगा और इसके बाद आगे की छानबीन की जाएगी।वहीं, वृंदा पंचायत के मुखिया सत्यवती देवी ने इस संदर्भ में जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

डीपीएस बोकारो ने जीता इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के समग्र उत्थान की दिशा में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो का प्रयास एक बार फिर रंग लाया। विद्यालय को इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। बेंगलुरु के 'द ताज' में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय को पुरस्कृत किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए इस अवार्ड के तहत दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो को सीबीएसई सिटी-वाइज कैटेगरी में एक वृहद सर्वे के पश्चात रैंक 1 प्रदान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाले संस्थान 'एजुकेशन टुडे' की ओर से देशभर के 1760 विभिन्न विद्यालयों का सर्वे किया गया। इनमें सीबीएसई सिटी-वाइज कैटेगरी में बोकारो से एकमात्र डीपीएस बोकारो ने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नेतृत्व एवं गुणवत्ता प्रबंधन, अभिभावकों की सहभागिता, डिजिटल लर्निंग, शिक्षकों की उन्नति, सामुदायिक सेवा, भविष्य की तकनीक पर आधारित आधारभूत संरचनाओं तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास सहित कुल 15 मानकों के आधार पर डीपीएस बोकारो उक्त पुरस्कार के लिए सर्वे में खरा उतरा।

पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार ने धनबाद जिला में दिया योगदान

बिनय मिश्रा

2012 बैच के पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार का तबादला गढ़वा जिला के रंका थाना से धनबाद जिला हो जाने के पश्चात श्री कुमार ने धनबाद जिला में योगदान दे दिया। गौरतलब हो कि प्रवीण कुमार की झारखण्ड में ऐसे पुलिस निरीक्षक के रूप में पहचान है वे जहां भी पदस्थापित रहें अपने बेहतर कार्यप्रणाली के फलस्वरूप उक्त जिला में अपनी बेहतर पहचान बनाने में भी सफल रहें। श्री कुमार चक्रधरपुर थाना में थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक के रूप में जबतक पदस्थापित रहें अपने बेहतर कार्यप्रणाली से पुरे क्षेत्र में लोकप्रिय पुलिस निरीक्षक के रूप में पहचाने जाते रहें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में उनकी आम जनमानस के बीच काफी बेहतर पकड़ रही जिसके फलस्वरूप तत्कालीन पुलिस अधीक्षक इन्द्रजीत महथा एवं अजय लिण्डा ने उनके कार्य को काफी सराहा। यही नहीं चक्रधरपुर के अति सुदूर व नक्सल प्रभावित क्षेत्र गुड़ासाई में आयोजित पुलिस और आम लोगों के बीच बैठक आज भी काफी एतिहासिक रहा और तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अजय लिण्डा ने इनके प्रयास को काफी सराहा था। इसके पश्चात श्री कुमार चाईबासा जिला में सदर थाना में भी लोकप्रिय पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित रहें और अपने बेहतर कार्यों से लोकप्रिय थाना प्रभारी के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनायी। इसके पश्चात वे गढ़वा जिला में थाना प्रभारी सह अंचल पुलिस निरीक्षक के रूप में पदस्थापित रहें बाद में उनका तबादला धनबाद जिला हो गया जहां उन्होंने योगदान दिया।

धान अधिप्राप्ति केंद्र का सीओ ने किया उद्घाटन

जलडेगा : जलडेगा अंचल अधिकारी शंभू राम, प्रखंड प्रमुख जुसाफ लुगुन, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मुकेश जयपुरियार और प्रभारी कृषि पदाधिकारी ब्रिज बिहारी प्रसाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर जलडेगा लैंपस लिमिटेड में धान अधिप्राप्ति केंद्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सीओ शंभू राम ने कहा कि जलडेगा प्रखंड का अधिकतर आबादी खेती पर निर्भर है, लेकिन खेती आज घाटे का सौदा है। खाद, बीज, मजदूरी, डीजल काफी महंगा है। किसान को उपज की लागत का 25 फीसद घाटे में जा रहा है। उसी घाटे को पूरा करने का राज्य सरकार ने प्रयास किया है कि किसान को उचित मूल्य मिल सके और वह घाटे में नहीं रहे। आगे उन्होंने कहा कि किसान बेधड़क धान क्रय केंद्र में आकर अपना धान बेचें। सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मुकेश जयपुरियार ने कहा कि इस बार किसानों को बिचौलिया के हाथ में नहीं फंसना है। रजिस्ट्रेशन समय सीमा के अंदर कराएं और सुगमता से धान की बिक्री करें। राज्य सरकार इस वित्तीय वर्ष में 2400 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान की खरीददारी कर रही है। वहीं प्रभारी कृषि पदाधिकारी ब्रिज बिहारी प्रसाद ने उपस्थित किसान एवं आम लोगों को नियम पूर्वक धान बिक्री करने की सलाह दी। किसान बिना रजिस्ट्रेशन कराए लैंपस में धान न लाएं, मोबाइल में मैसेज जाने के बाद ही धान को लाए।साथ ही यदि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर स्वयं उनके मोबाइल पर जानकारी उपलब्ध कराने को कहा।

तीन प्रखंड के मुखियाओं के लिए कार्यशाला

कोलेबिरा : प्रखंड सभागार कोलेबिरा में कोलेबिरा,जलडेगा, बानो पंचायत के मुखियाओं का कार्यशाला आयोजित कर विभिन्न विषय जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य पर दिया गया जोर

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती रोस प्रतिमा सोरेंग उपस्थित रही मौके पर उन्होंने कहा कि

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सिमडेगा जिला विकास की ओर अग्रसर है इसे और भी ज्यादा बेहतर करने की आवश्यकता। सभी मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों से की अपील सभी आमजनों के साथ मिलकर कार्य करे।

आम लोगों की बने आवाज

विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख दूतामी हेंब्रोम भी रहीं उपस्थित उन्होंने कहा सभी मुखिया अपने अपने पंचायत को जीरो ड्रॉपआउट घोषित करने में करे सहयोगद्ध। ग्राम पंचायत समिति के माध्यम से मिलकर शिक्षा और स्वास्थ्य पर पुरजोर कार्य करने पर जोर। *कार्यक्रम का संचालन कर रहे विकाश शर्मा ने बताया कि पंचायत में युवाओं कि भागीदारी सुनिश्चित करके पंचायत के विकाश की गति को बढ़ावा दे एवं मोहल्ला क्लास के माध्यम से पंचायत के बच्चों का अधिगम स्तर बढ़ाया जा सके। मुखिया कार्यशाला आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य मुखियाओं से मिलकर और उनके द्वारा युवाओं को आगे लाकर समाज में योगदान देकर शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न विषयों पर विकाश के साथ पंचायतों का स्वर्गीन विकास करना। इस मौके पर प्रोग्राम लीडर सोमेन साव एवं अमित चतुवेर्दी गांधी फेलो रितेश मिश्रा,शैली, वृंदा,तनु, युवा नेतृत्वकर्ता गोपाल कुमार,अंकित आदर्श,सत्यम,रेशम,प्रियंका, ऋषिका सहित तीनों प्रखंड के मुखिया उपस्थित रहे।

राजधानी में फिर हुआ छात्रा से छेड़छाड़

रांची : राजधानी रांची में अभी स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब बीकॉमक की छात्रा से छेड़खानी का नया मामला सामने आ गया है. सदर अस्पताल के पास बीकॉम की एक छात्रा के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है, जहां कॉलेज जाते वक्त एक मनचले ने छात्रा के साथ छेड़खानी कर डाली. मामले में पुलिस ने आरोपी की पहचान बताने या उसका सुराग देने वाले को 5000 रुपए इनाम देने की घोषणा कर दी है. बता दें कि राजधानी रांची में इन दिनों छेड़खानी के मामले बढ़ गए हैं. महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं।

उरंगढा नदी रेलवे पुल के नीचे से शव बरामद

सिल्लीः मुरी ओपी ने उरंगढा नदी रेलवे पुल के नीचे से सोमवार को सुबह शव बरामद किया। शिनाख्त में मृतक का नाम प्रदीप राम उम्र 54 वर्ष पिता पितांबर राम ग्राम + पोस्ट कामडारा थाना कामडारा के है.पुलिस सुत्रो से वह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ साहिबगंज से रांची ट्रैन से जा रहा था,व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, रांची जाने के क्रम में ही मुरी उड़नगढ़ा पुल के पास ट्रैन से नीचे गिरने से व्यक्ति की मृत्यु हो गई है।

श्रीरामकृष्ण सेवा संघ ने कन्या आश्रम में जरुरतमंदों को बांटे कंबल व अन्य गर्म वस्त्र बच्चों व बुजुर्गों को कराया भोजन

पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म : आलोक मजूमदार

लुम्बई (बंदगांव)/ रांची। सामाजिक संस्था श्रीरामकृष्ण सेवा संघ की ओर से बंदगांव के लुम्बई स्थित कन्या आश्रम में मंगलवार को जरूरतमंदों व गरीबों के बीच कंबल, स्वेटर व अन्य गर्म वस्त्र का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में लायंस क्लब ऑफ हिनू के विनोद प्रकाश के सौजन्य से कंबल का सहयोग किया गया।

संस्था के सदस्यों द्वारा आश्रम में रह रहे बुजुर्ग महिला-पुरुष को कंबल और बच्चों को स्वेटर, जूता-मोजा आदि बांटे गए। ठंड के मौसम में कंबल व गर्म वस्त्र पाकर आश्रम में रह रहे बच्चों,बुजुर्गों और आसपास के जरुरतमंदों को काफी राहत मिली। वहीं, महिलाओं के बीच साड़ियों का भी वितरण किया गया। तत्पश्चात संस्था की ओर से सबों को भोजन कराया गया।

इस अवसर पर लोकप्रिय समाजसेवी आलोक मजूमदार ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करने से सुखद अनुभूति होती है। उन्होंने समाजसेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य संस्थाओं से भी पीड़ित मानवता के सेवार्थ सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर तनय शीट, दीपा दत्ता, सोहनी मजूमदार, गोपा बागची, आलोक सिन्हा, सुकृत भट्टाचार्य, डॉ.स्मिता डे, आनंद रंजन घोष, राजीव रंजन, तन्मय मुखर्जी, श्रावंती शीट, श्रीमंत बनर्जी, डॉ.आशुतोष चटर्जी, मलय साहू, मृणाल बोधक, अजय धीबर, देवराज घोष, संदीप दत्ता,अरुण सिन्हा,विवेक राय, स्वपन डे सहित अन्य मौजूद थे।